www.adbhutsamachar.com

अद्भुत समाचार

वर्ष – 15 | अंक–21 | RNI-No. : UPHIN/2011/43806 | लखनऊ, शनिवार 20 दिसम्बर 2025 | प्रातः कालीन संस्करण | (हिन्दी दैनिक) | पृष्ठ–4 | मूल्य 1 रुपया

केरल के एलओपी ने मेटा को लिखा पत्र, सोशल मीडिया से पैरोडी गीत पोटिये केट्टिये को हटाने को कहा

पत्र में सतीशान ने कहा कि अदालत के आदेश के बिना गीत को हटाना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। उन्होंने लिखा कि मैं आपका ध्यान उन खबरों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं जिनमें बताया गया है कि केरल राज्य पुलिस, भारत सरकार ने मेटा सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्मों से संपर्क किया है

एजेंसी/केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) वी डी सतीशान ने शुक्रवार को फेसबुक की मूल कंपनी मेटा को पत्र लिखकर पुलिस के उन निर्देशों का विरोध किया, जिनमें पैरोडी गीत श्पोट्टिये केट्टियेश के लिंक सोशल मीडिया से हटाने को कहा गया था। पत्र में सतीशान ने कहा कि अदालत के आदेश के बिना गीत को हटाना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। उन्होंने लिखा कि मैं आपका ध्यान उन खबरों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं जिनमें बताया गया है कि केरल राज्य पुलिस, भारत सरकार ने मेटा सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से संपर्क किया है और उनसे 'पोट्टिये केट्टिये' नामक गीत के लिंक हटाने का अनुरोध किया है, जिसे केरल के सबरीमाला मंदिर में कथित सोने की चोरी के संबंध में ऑनलाइन प्रसारित किया जा रहा है।विपक्षी नेता ने कहा कि तिरुवनंतपुरम साइबर पुलिस ने इस पैरोडी गीत के निर्माण और प्रसार के संबंध में मामला दर्ज किया है। सतीशान ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई ष्न्यायिक फैसलाष या कानूनी आदेश नहीं है जिसमें इस सामग्री को हटाने का निर्देश दिया गया हो, जो उनके अनुसार ष्अभिव्यक्ति की स्वतंत्रताष का उल्लंघन है। पत्र में आगे कहा गया, ष्हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आज तक ऐसा कोई न्यायिक फैसला, अदालती आदेश या वैधानिक निर्देश नहीं है जो इस सामग्री को हटाने का आदेश देता हो। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने लगातार यह माना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को तब तक सीमित नहीं किया जा सकता जब तक कि कानून का स्पष्ट और कानूनी रूप से स्थापित उल्लंघन साबित न हो जाए।उन्होंने तर्क दिया कि पैरोडी और व्यंग्य अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संरक्षित रूप हैं, और किसी भी प्रतिबंध को ष्कानूनी और न्यायिक रूप से स्वीकृत साधनोंष के माध्यम से ही लागू किया जाना चाहिए। पत्र में कहा गया है, कानून के शासन द्वारा शासित एक लोकतांत्रिक समाज में, अभिव्यक्ति पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध, विशेष रूप से पैरोडी या व्यंग्य जैसी कलात्मक अभिव्यक्तियों पर, उचित प्रक्रिया का सख्ती से पालन करना चाहिए। पैरोडी और व्यंग्य अभिव्यक्ति के सुस्थापित रूप हैं जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की संवैधानिक गारंटी के तहत संरक्षित हैं, और केवल कानूनी और न्यायिक रूप से स्वीकृत साधनों के माध्यम से लगाए गए उचित प्रतिबंधों के अधीन हैं।

नाकारात्मक नेतृत्व के कारण कांग्रेस के घर में ही हाहाकार मचा : मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली 19 दिसम्बर (एजेंसी) । कांग्रेस शासित कर्नाटक राज्य में गृहलक्ष्मी योजना को लेकर हंगामा देखने को मिल रहा है। योजना के तहत नियमित राशि का भुगतान नहीं होने पर भाजपा प्रवक्ता मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा, एक के बाद एक करके कांग्रेस के घर में जो घमासान दिखाई पड़ रहा है, उसका एक ही कारण है कि अगर नेतृत्व खुद नकारात्मक रहेगा, तो खुद उनके घर में हाहाकार, हंगामा और हुड़दंग मचा रहेगा। जो कुछ भी कर्नाटक में हो रहा है, इसी का प्रभाव देखने को मिल रहा है। उसमें भी उठा–पटक दिखाई दे रही है। अपना घर उनसे संभाला नहीं जा रहा है और मोहल्ले में बचाओ–बचाओ का शोर मचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक चीज बिल्कुल साफ है कि कांग्रेस पार्टी और उनके नेता राहुल गांधी हिट एंड रन के हुल्लड़ का कुल्हड़ बन गए हैं। अब अगर कोई ऐसा बन जाए, तो बाउंड्री के अंदर रहेगा तो नो बॉल करेगा और बाउंड्री के बाहर जाएगा तो बाउंसर मारेगा। संवैधानिक मूल्यों और मर्यादाओं से जुड़े हुए सवाल पर जिस प्रकार से वे व्यवहार और दुष्प्रचार कर रहे हैं, वो गलत है। वे देश में रहते हैं, तो भी दुष्प्रचार और बाहर जाते हैं तो भी देश के बारे में नकारात्मक बातें फैलाते हैं। इसलिए मैं कह रहा हूं कि वह हिट एंड रन के हुल्हड़ के कुल्हड़ बनते जा रहे हैं।उन्होंने प्रदूषण पर चर्चा को लेकर कहा, प्रदूषण पर चर्चा होनी चाहिए और उसका समाधान भी होना चाहिए। इसके साथ ही राजनीतिक प्रदूषण पर भी चर्चा होनी चाहिए। ऐसे कौन से लोग हैं, जो राजनीतिक प्रदूषण फैला रहे हैं, देश के संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रदूषित करने का काम कर रहे हैं।नकवी ने जम्मू–कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त करने के सवाल पर कहा, 370 खत्म होने के बाद जम्मू–कश्मीर के लोग विकास के भागीदार बने हैं। साथ ही लोगों की राजनीतिक हिस्सेदारी भी बढ़ी है। विपक्ष के लोग भी इसे स्वीकार कर रहे हैं और समझ रहे हैं।

दिल्ली ब्लास्ट मामले में एनआईए ने किया नौवें आरोपी को गिरफ्तार, कोर्ट ने 26 दिसंबर तक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली ,19 दिसम्बर (एजेंसी) । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार बम धमाके के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह इस मामले में नौवीं गिरफ्तारी है। आरोपी की पहचान जम्मू–कश्मीर के शोपियां निवासी यासिर अहमद डार के रूप में हुई है। एनआईए ने उसे दिल्ली से पकड़ा और पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया, जहां अदालत ने उसे 26 दिसंबर तक एजेंसी की हिरासत में भेज दिया। यह धमाका एक हुंडई आई 20 कार में हुआ था, जिसमें आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी ड्राइविंग सीट पर था। विस्फोट में 15 लोगों की मौत हो गई थी और 30 से अधिक लोग घायल हो गए थे। जांच में पता चला है कि यासिर ने साजिश में सक्रिय भूमिका निभाई और अन्य आरोपियों के साथ लगातार संपर्क में था। वह उमर उन नबी और मुफ्ती इरफान जैसे आरोपियों से जुड़ा हुआ था।एनआईए की जांच से यह मामला एक बड़े आतंकी नेटवर्क से जुड़ा लग रहा है, जिसमें फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े कई डॉक्टर शामिल हैं। एजेंसी का मानना है कि यह मॉड्यूल जैश–ए–मोहम्मद जैसे संगठनों से लिंक है।अब तक कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें डॉ. मुजम्मिल शकील गनी, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान और अन्य शामिल हैं। इस महीने की शुरुआत में एनआईए ने जम्मू–कश्मीर और उत्तर प्रदेश में कई ठिकानों पर

इस साल किन देशों की असेंबली को पीएम मोदी ने किया संबोधित?

अब तक 18 बार संसद में दे चुके हैं भाषण

नई दिल्ली 19 दिसम्बर (एजेंसी) साल 2025 अब खत्म होने की ओर अग्रसर है। साल के अंत में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों के विदेश दौरे पर हैं। राजनीतिक दृष्टिकोण से भारत के लिए ये साल बेहद खास रहा। पीएम मोदी ने भारत को एक अलग मुकाम पर पहुंचा दिया। विश्वपटल पर पीएम मोदी की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। इस साल पीएम मोदी ने कई देशों का दौरा किया, जहां उन्हें संसद में बोलने का मौका भी मिला। पीएम मोदी भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने न केवल सबसे ज्यादा देशों का सर्वोच्च सम्मान हासिल किया है, बल्कि वह पहले पीएम हैं, जिन्होंने सबसे ज्यादा बार दूसरे देशों में संसद को संबोधित किया है। पीएम मोदी ने इस साल 2025 में इथियोपिया, नामीबिया, त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य, और घाना में संसद को संबोधित किया। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अब तक के कार्यकाल की बात करें तो उन्होंने कुल मिलाकर 18 बार दूसरे देशों में संसद को संबोधित किया है। अमेरिकी कांग्रेस में पीएम मोदी ने दो बार अलग–अलग दौरे पर अपना संबोधन दिया है।पीएम मोदी ने इथियोपिया में दिसंबर 2025, नामीबिया में जुलाई 2025, त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य में जुलाई 2025, घाना में जुलाई 2025, गुयाना में नवंबर 2024, अमेरिकी कांग्रेस में जून 2023, मालदीव में जून 2019, यूगांडा में जुलाई 2018, अमेरिकी कांग्रेस में जुलाई 2016, अफगानिस्तान में दिसंबर 2015, ब्रिटेन में नवंबर 2015, मंगोलिया में मई 2015, मॉरीशस में मार्च 2015, श्रीलंका में मार्च 2015, फिजी में नवंबर 2014, ऑस्ट्रेलिया में नवंबर 2014, नेपाल में अगस्त 2014, और भूटान में जून 2014 में अपना भाषण दिया है।बता दें कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने सात बार अन्य देशों की संसद में अपना संबोधन दिया था। इसके अलावा इंदिरा गांधी ने चार बार, पंडित जवाहर लाल नेहरू ने तीन बार, राजीव गांधी ने दो बार, और पीवी नरसिम्हा राव ने 1 बार दूसरे देशों की संसद में भाषण दिया था। इसके अलावा पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने दो बार और मोरारजी देसाई ने एक बार दूसरे देश की संसद को संबोधित किया था।मनमोहन सिंह ने अमेरिका, मॉरीशस, मंगोलिया, अफगानिस्तान, ब्रिटेन, श्रीलंका और नेपाल की संसद में भाषण दिया था। इसके अलावा इंदिरा गांधी ने अमेरिका, ब्रिटेन, सोवियत संघ और मॉरीशस की असेंबली में भाषण दिया था। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन की संसद में संबोधन दिया था। राजीव गांधी ने अमेरिका और ब्रिटेन की संसद में भाषण दिया। पीवी नरसिम्हा राव ने ऑस्ट्रेलिया, अटल बिहारी वाजपेयी ने अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया और मोरारजी देसाई ने अमेरिका की संसद में अपना संबोधन दिया

पाकिस्तान के नक्शेकदम पर चल रहा बांग्लादेश, पड़ोसी देश की स्थिति पर बोले गिरिराज सिंह

संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि यह एक दुखद घटना है। भारत में धर्मनिरपेक्षता की बात करने वालों के लिए यह विशेष रूप से चिंताजनक है। ऐसी घटनाएं गंभीर प्रश्न उठाती हैं और इन पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

नई दिल्ली 19 दिसम्बर (एजेंसी) ।बांग्लादेश में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें कम से कम चार लोग घायल हो गए, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को इस घटना को एक दुखद घटना बताया। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि यह एक दुखद घटना है। भारत में धर्मनिरपेक्षता की बात करने वालों के लिए यह विशेष रूप से चिंताजनक है। ऐसी घटनाएं गंभीर प्रश्न उठाती हैं और इन पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए ।बांग्लादेश की स्थिति पर गिरिराज सिंह ने कहा कि यह खेदजनक है कि बांग्लादेश पाकिस्तान के नक्शेकदम पर चल रहा है और देश में ममता बनर्जी जैसी नेता हैं जो भारत को बांग्लादेश में बदलना चाहती हैं। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने भी इस स्थिति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह बेहद खेदजनक है कि बांग्लादेश, जिस देश की स्थापना में भारत ने मदद की, अब हमारे खिलाफ रुख अपना रहा है। नेपाल और श्रीलंका की मौजूदा स्थिति, और इससे पहले पाकिस्तान में हुई घटनाएं, कूटनीतिक जिम्मेदारी के महत्व को उजागर करती हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल काई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने शुक्रवार को बांग्लादेश की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पड़ोसी देश में 'घटनाक्रम के पीछे कट्टरपंथियों का हाथ है'। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि स्थिति पर उनका नियंत्रण है। भट्टाचार्य ने कहा कि केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय स्थिति से उचित ढंग से निपट रहे हैं तथा वे उसी अनुरूप जवाब देंगे। राज्यसभा सदस्य ने संवाददाता सम्मेलन में बांग्लादेश की स्थिति से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा, "बांग्लादेश में कट्टरपंथ और चरमपंथ कैंसर की तरह फैल रहा है। सभी सही सोच वाले लोगों को इस खतरे से लड़ने के लिए एकजुट होना चाहिए।" उन्होंने कहा,"1980 के दशक से ही बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतें अपनी जड़ें फैला रही हैं। यह हदें पार कर चुकी हैं। जैसा कि कल रात देखा गया, स्वतंत्र विचारक और उदारवादी व्यक्ति भी हमलों का शिकार हो रहे हैं। पूरी दुनिया कट्टरपंथ का खामियाजा भुगत रही है। एक राष्ट्रवादी सरकार और पार्टी ही इन चुनौतियों का सामना कर सकती है।"

अखिलेश यादव को उपदेश नहीं देना चाहिए... सपा प्रमुख को लेकर ऐसा क्यों बोले केशव प्रसाद मौर्य

नई दिल्ली 19 दिसम्बर (एजेंसी) ।उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को विधानसभा में चर्चा के लिए रखे गए वंदे मातरम के विषय पर समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के तर्क का जवाब दिया। मीडिया से बात करते हुए यूपी के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम भारत का महान मंत्र है, जिसने हमारे देश को गुलाम बनाने वाले अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में हमारी मदद की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष को इस पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए ।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव को उपदेश नहीं देना चाहिए। वंदे मातरम पर चर्चा का अर्थ है भारत के उस महान मंत्र का गायन करना, जिसका नाम मात्र और जिसके जोरदार उच्चारण से ही अंग्रेज भारत से भाग गए थे। मौर्य ने आगे कहा कि यह वही महान मंत्र है जिसका उद्घोष एक विकसित भारत की ओर ले जाएगा, जहां गरीब अमीर बनेंगे, किसान समृद्ध होंगे, महिलाएं सशक्त होंगी और युवाओं का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने विधानसभा के लिए एक उचित निर्णय लिया है और उन्हें उम्मीद है कि विपक्ष इस पर चर्चा के दौरान अनुशासन बनाए रखेगा। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष के किसी भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए तैयार है। सरकार विपक्ष द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार है, भले ही उनके व्यवहार से हंगामा हो।

सीबीआई ने 17 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी के मामले में फरार आरोपी को गोवा से गिरफ्तार किया

नई दिल्ली 19 दिसम्बर (एजेंसी) । केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक पुराने बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। एजेंसी ने पुणे की कंपनी मेसर्स हाउस ऑफ लैपटॉप्स (आई) प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक आशुतोष पंडित को गिरफ्तार किया है, जो 17 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी था और लंबे समय से फरार चल रहा था। आरोपी अपनी पहचान बदलकर यतिन शर्मा नाम से गोवा में छिपकर रह रहा था। यह मामला 2013 का है, जो इंडियन ओवरसीज बैंक की पुणे शाखा से जुड़ा है। शुरू में यह केस मुंबई की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्ल्यू) में दर्ज हुआ था, लेकिन बाद में इसे सीबीआई की पुणे इकाई को ट्रांसफर कर दिया गया, जहां मुकदमा चल रहा है। जांच के दौरान 2013 में ही चार्जशीट दाखिल की गई थी, लेकिन आरोपी का पता नहीं चल रहा था। लगातार प्रयासों के बावजूद वह फरार रहा। अप्रैल 2018 में सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद उसे अपराधी घोषित कर दिया गया। सीबीआई की टीम ने एनएटीजीआरआईडी पोर्टल से मिली महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर आरोपी का पता लगाया। पता चला कि आशुतोष पंडित ने अपनी पहचान पूरी तरह बदल ली थी। उसने यतिन शर्मा नाम से नया पैन कार्ड, आधार कार्ड और पासपोर्ट बनवा लिया था। पहले उसने नई दिल्ली से पासपोर्ट जारी करवाया और बाद में गोवा से नया पासपोर्ट बनवाया। बंबोलिम, गोवा में उसका नया पता मिला।तकनीकी सबूतों और खुफिया जानकारी के आधार पर सीबीआई ने एक सटीक ऑपरेशन चलाया और आरोपी को उसके नए पते से सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी बैंक धोखाधड़ी के मामलों में फरार आरोपियों को पकड़ने की सीबीआई की सतर्कता और तकनीकी क्षमता को दर्शाती है। ऐसे मामले जहां आरोपी नकली दस्तावेजों से पहचान छिपाते हैं, जांच एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती होते हैं।सीबीआई प्रवक्ता ने बताया कि इस तरह की गिरफ्तारियां आर्थिक अपराधों पर अंकुश लगाने में मदद करती हैं।

गिरफ्तार अभियुक्तों के संबंध सपा माफियाओं से...

जहरीले कफ सिरप कांड पर सीएम योगी का बड़ा बयान

लखनऊ19 दिसम्बर (एजेंसी) यूपी विधानमंडल सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जहरीले कफ सिरप कांड को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। यूपी एसटीएफ और यूपी पुलिस ने मामले में व्यापक गिरफ्तारियां की हैं।उन्होंने कहा कि जो भी अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं। उनके संबंध सपा नेताओं से सामने आए हैं। अभी जांच जारी है। जांच रिपोर्ट आने पर दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा।उन्होंने कहा कि सपा के लोग ये मुद्दा सदन की कार्यवाही के दौरान उठाएंगे तो उन्हें वहां पर जवाब दिया जाएगा और अगर बाहर इस पर सवाल करेंगे तो उसका भी जवाब दिया जाएगा। सपा का माफियाओं से संबंध तो जगजाहिर हैं। इस पूरे मामले की जांच राज्यस्तरीय एसआईटी कार्य कर रही है। इसमें यूपी पुलिस, एफएसडीए से जुड़े अधिकारी मौजूद हैं। किन–किन लोगों को इसमें धन गया है ये सारी बातें जांच में सामने आ जाएंगी। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि उनके बारे में यही कहूंगा कि– ष्यही कसूर मैं बार बार करता रहा, धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा।ष उन्होंने कहा कि इन माफियाओं के साथ उनकी भी फोटो है। जांच में सब सामने आ जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज से सदन की कार्यवाही शुरू हो रही है। 24 जनवरी को हमारे राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम पर चर्चा का आयोजन किया जाएगा। 24 जनवरी को यूपी का स्थापना दिवस भी है। हमने सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों से चर्चा के लिए अनुरोध किया है।

उन्होंने कहा कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए और हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है।

सदन की कार्यवाही के पहले दिन नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय सहित सभी दलों के नेताओं ने स्वर्गीय सपा विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर समाज में दिये गए उनके योगदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

संसद से शांति विधेयक का पारित होना

एक महत्वपूर्ण व परिवर्तनकारी क्षण :पीएम मोदी

नई दिल्ली 19 दिसम्बर (एजेंसी) । संसद का शीतकालीन सत्र जारी है। राज्यसभा से पारित होने के साथ ही परमाणु ऊर्जा से जुड़ा द सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल 2025, यानी शांति विधेयक, 2025, दोनों सदनों से पास हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शांति विधेयक के पारित होने पर खुशी जताई है। बता दें कि विधेयक बुधवार को संसद के निचले सदन लोकसभा से पास हो चुका है। इसके बाद अब यह विधेयक राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद पूर्ण रूप से कानून का रूप ले लेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि संसद के दोनों सदनों द्वारा शांति विधेयक का पारित होना हमारे प्रौद्योगिकी परिदृश्य के लिए एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी क्षण है। इसके पारित होने में सहयोग देने वाले सांसदों के प्रति मेरी कृतज्ञता। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को सुरक्षित रूप से संचालित करने से लेकर हरित विनिर्माण को सक्षम बनाने तक, यह विधेयक देश और विश्व के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य को निर्णायक गति प्रदान करता है। यह निजी क्षेत्र और हमारे युवाओं के लिए भी अनेक अवसर खोलता है। भारत में निवेश करने, नवाचार करने और विकास करने का यह सबसे उपयुक्त समय है। इससे पहले केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को संसद में बताया कि यह विधेयक निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए परमाणु उद्योग के द्वार खोलने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिसका उद्देश्य 2047 तक देश को 100 गीगावाट (जीडब्ल्यू) परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने में मदद करना है। विधेयक भारत की वर्तमान और भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं के अनुरूप एक व्यापक कानून लाने का प्रयास करता है।

उन्होंने कहा कि विधेयक भारत के दीर्घकालिक ऊर्जा और जलवायु लक्ष्यों से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि 2070 तक कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए देश के रोडमैप की रूपरेखा दी गई है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, विधेयक स्वदेशी परमाणु संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करने और सार्वजनिक एवं निजी दोनों क्षेत्रों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देता है, साथ ही भारत को वैश्विक परमाणु ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र में एक योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करता है। यह विधेयक स्वास्थ्य सेवा, खाद्य एवं कृषि, उद्योग और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में परमाणु और विकिरण प्रौद्योगिकियों के उपयोग को विनियमित करने का प्रयास करता है

सम्पादकीय

एक सामाजिक और भावनात्मक दस्तावेज तेरे इश्क में

फिल्म का मूल संघर्ष प्यार और ऑब्सेशन की वह महीन रेखा है, जिसे पार करते ही प्रेम विष में बदल जाता है।ज् इस फिल्म की कहानी में आधुनिक रिश्तों में इमोशन की एक दिलचस्प यात्रा है। तब प्यार किस तरह की कसौटी से गुजरता है जब दो प्यार करने वालों के रिश्ते में इमोशनल बैगेज, पास्ट ट्रॉमा, क्लास डिफरेंस और समाज की उम्मीदें मिल जाती हैं?आज के श्सिने–सोहबतत्थ में ताजातरीन फिल्म श्तेरे इश्क मेंत्थ के बारे में विमर्श करते हैं। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी ये फिल्म सिर्फ एक रोमांटिक ड्रामा नहीं, बल्कि एक प्रायोगिक प्रेम कहानी की कोशिश है जो प्यार, जुनून, क्लास डिवाइड, मनोविज्ञान और सामाजिक संरचनाओं के बीच जुझारू रिश्तों की परतों को उजागर करना चाहती है। श्तेरे इश्क मेंत्थ सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक और भावनात्मक दस्तावेज भी है। फिल्म का मूल संघर्ष प्यार और ऑब्सेशन की वह महीन रेखा है, जिसे पार करते ही प्रेम विष में बदल जाता है।फिल्म का हीरो शंकर (मुख्य अभिनेता धनुष) सिर्फ एक प्रेमी नहीं, बल्कि एक ऐसा व्यक्ति है, जिसने अपने बचपन, अकेलापन और निजी असुरक्षाओं को प्यार के माध्यम से सुलझाने की कोशिश की। बाद में जब प्यार के साथ जुनून, पजेसिव्नेस और असुरक्षा जुड़ते हैं, तो वह टॉक्सिक हो जाता है।

दूसरी ओर, महिला किरदार मुक्ति (कृति सेनन) जो कि एक एक पढ़ी लिखी, मनोविज्ञान की छात्रा है, शुरुआत में इस रिश्ते को महज एक प्रयोग के रूप में देखती है। उसके लिए यह प्रेम नहीं, शोध हैरू कॉन्सेप्ट ऑफ वायोलेंस एज डिजीज। धीरे धीरे, जब शंकर की भावनाएं प्रेम में बदल जाती हैं, तो मुक्ति की तार्किकता, समानुभूति और अकादमिक समझ उस जुनूनी प्यार के आगे लड़खड़ा जाती है।इस फिल्म की कहानी में आधुनिक रिश्तों में इमोशन की एक दिलचस्प यात्रा है। तब प्यार किस तरह की कसौटी से गुजरता है जब दो प्यार करने वालों के रिश्ते में इमोशनल बैगेज, पास्ट ट्रॉमा, क्लास डिफरेंस और समाज की उम्मीदें मिल जाती हैं?श्तेरे इश्क मेंत्थ, इस संघर्ष को सिर्फ संवादों तक सीमित नहीं रखती। उसके नजरिए, कैमरा वर्क, एडिटिंग, लोकेशन सब मिलकर बताते हैं कि ऑब्सेसिव प्रेम केवल आतंरिक नहीं है, बल्कि वह सामाजिक संरचना, हमारे बड़े होने के तरीके, माहौल और बचपन के किसी जख्म का परिणाम भी हो सकता है। श्तेरे इश्क मेंत्थ मनोवैज्ञानिक जटिलताओं और इमोशनल ट्रॉमा जैसी अवधारणाओं के संदर्भ में प्रेम कहानी के साथ एक जरूरी प्रयोग किया गया है। शुरुआत में, नायिका मुक्ति मनोविज्ञान के रिसर्च करती है। वह मानती है कि हिंसा एक बीमारी की तरह है जिससे उचित थेरेपी, काउंसलिंग, एम्पथी द्वारा निजात मिल सकती है। यह एक साहसिक कदम है क्योंकि हिंदी फिल्मों में अक्सर मनोवैज्ञानिक परतों को काफी सतही रखा जाता है, लेकिन हिमांशु शर्मा और नीरज यादव की इस पटकथा ने पहली बार उसे केंद्र में रखा है। ये फिल्म हमें सवाल देती है कि क्या बॉलीवुड अभी ऐसी कहानियों को जिम्मेदारी से पेश करने को तैयार है, जो मनोवैज्ञानिक यथार्थवाद के साथ हों या फिर वह सतही मेलोड्रामा की ओर लौट जाती है? ये फिल्म सिर्फ दो व्यक्तियों के बीच का इश्क नहीं दिखाती, बल्कि यह उनकी सामाजिक, आर्थिक पृष्ठभूमि, क्लास डिवाइड और आइडेंटिटी क्राइसिस को भी रेखांकित करती है।

शंकर और मुक्ति का प्रेम कॉलेज से शुरू होकर जिंदगी के कई जटिल पक्षों तक जाता है जिसमें प्यार को सिर्फ व्यक्तिगत अहसास ही नहीं, बल्कि सामाजिक संघर्ष की रीढ़ बनना पड़ता है। ऐसे सेट अप में, किरदारों का चयन, उनकी प्रतिक्रिया, उनके संघर्ष सिर्फ भावनात्मक नहीं, बल्कि सामजिक दबाव और पहचान के संकट से भी प्रभावित होती हैं। फिल्म ये दिखाने की कोशिश करती है कि प्यार के फैसले व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक होते हैं।

मेष :– आज आप सांसारिक बातें भूलकर आध्यात्मिक प्रवृत्तियों में संलग्न रहेंगे। गहरी चिंतनशक्ति आपके मानसिक भार को हल्का करेगी। बोलने पर संयम रखने से अनर्थ से बच जाएंगे।

वृषभ :– आप जीवनसाथी की निकटता का सुख प्राप्त कर सकेंगे। परिवार के साथ सामाजिक समारोह में बाहर घूमने या पर्यटन पर जाएंगे और आनंद में समय व्यतीत होगा।

मिथुन :– अधूरे कार्यों की पूर्णता के लिए आज का दिन शुभ है। परिवार में आनंद और उल्लास रहेगा। स्वास्थ्य बना रहेगा। कार्यों में यश और कीर्ति मिलेगी। नौकरीपेशा वालों को लाभ होगा।

कर्क :– अच्छे मन से दिन व्यतीत करने की गणेशजी सलाह देते हैं, क्योंकि आज का दिन शारीरिक और मानसिक रूप से उद्वेगपूर्ण रहेगा। पेट दर्द परेशान करेगा। धन खर्च की संभावना है।

सिंह :– आज मानसिक अस्वस्थता रहेगी। परिजनों के साथ मनमुटाव की स्थिति आएगी। माताजी की तबीयत खराब हो सकती है। नकारात्मक विचारों से हताशा उत्पन्न होगी।

कन्यारू बिना विचारे साहस करने के प्रति गणेशजी चेतावनी देते हैं। भावनात्मक सम्बंध स्थापित होंगे। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों का डटकर सामना करेंगे।

तुला :– आज की मानसिक वृत्ति नकारात्मक रहेगी। क्रोध आवेश में वाणी पर संयम खोने से पारिवारिक सदस्यों के साथ विवाद होगा। अनावश्यक खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य खराब होगा।

वृश्चिक :– आज का दिन शुभ होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ खुशी से समय बीतेगा। धन लाभ का योग है।

धनु :– क्रोध के कारण पारिवारिक सदस्यों के साथ सम्बंध बिगड़ेंगे। आपकी वाणी और व्यवहार झगड़े का कारण बन सकते हैं। दुर्घटना से बचें। बीमारी के पीछे धन खर्च होगा।

मकर :– आज का दिन हर क्षेत्र में लाभदायक है। स्नेहीजनों और मित्रों से मिलना होगा। प्रिय व्यक्तियों के साथ मुलाकात रोमांचक रहेगी। व्यापार–धंधे में आय वृद्धि होगी।

कुंभ :– हर कार्य सरलतापूर्वक हल होंगे और उनमें सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थिति बनेगी। सरकारी कार्य निर्विघ्न पूरे होंगे। स्वास्थ्य बना रहेगा। धन प्राप्ति का योग है।

मीन :– आज के दिन की शुरुआत भय के साथ होगी। शरीर में सुस्ती और थकान रहेगी। कोई भी कार्य पूरा न होने पर हताशा होगी। भाग्य साथ न देता हुआ प्रतीत होगा। व्यर्थ में पैसे खर्च होंगे।

हिजाब उठाकर बुरे फंसे नीतीश

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजनीति के बहुत बड़े खिलाड़ी हैं। उन्होंने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर यह साबित भी कर दिया लेकिन कभी–कभी ऐसा कर या कह देते हैं कि हंगामा होने लगता है। अभी पिछले दिनों एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक मुस्लिम महिला डाक्टर नुसरत परवीन का हिजाब हटा दिया। इसका वीडियो बहुत तेजी से वायरल हुआ। भाजपा के सांसद गिरिराज ने हालांकि नीतीश कुमार का समर्थन किया है लेकिन विपक्षी दलों के नेता इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं। अल्पसंख्यक आयोग तक शिकायत की गयी है और कुछ लोगों ने नीतीश कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तो यहां तक कह दिया कि नीतीश कुमार के साथ एक हेल्पर चलना चाहिए। बिहार में एनडीए के सहयोगी संजय निषाद ने तो आग में घी डालने का काम किया है। हालांकि जब उनकी तीखी आलोचना हुई तो उन्होंने लीपापोती करते हुए कहा कि मैंने हंसी–हंसी में यह कह दिया अगर किसी को बुरा लगा हो तो अपनी बात वापस लेता हूं। बहरहाल, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से इस पर कोई कमेंट नहीं आया। इससे लगता है कि नीतीश कुमार महिला डाक्टर का हिजाब उठाकर बुरे फंस गये।

बिहार में नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान आयुष डॉक्टर नुसरत परवीन का हिजाब हटाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। विपक्षी दल और मुस्लिम संगठन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर लगातार निशाना साध रहे हैं। समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कड़ी आलोचना की और इस हरकत को अपमानजनक बताया और मुख्यमंत्री से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। वहीं, एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने हिजाब और बुर्के को मुस्लिम महिलाओं के सम्मान, गरिमा और इज्जत का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए ।वहीं, मुस्लिम समाज ने नीतीश कुमार के खिलाफ महाराष्ट्र अल्पसंख्यक आयोग में शिकायत की है। महाराष्ट्र अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष प्यारे खान ने कहा कि इस संबंध में वो केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री को पत्र लिखकर इस बात का जिक्र करेंगे कि दोबारा इस तरीके का कृत्य किसी भी राज्य में न हो। प्यारे खान ने कहा कि नीतीश कुमार ने जो भी किया वह गलत किया है। यह भारतीय जनता पार्टी के विचारधारा नहीं है, न भारतीय जनता पार्टी के संस्कृति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक क्लियर नारा है, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबके लिए प्रयास, इन सब चीजों के लिए बिल्कुल जगह नहीं है। प्यारे खान ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री ने जो कृति किया है वह बिल्कुल गलत है। कोई भी सरकार इसका समर्थन नहीं कर सकती। यह मामला बिहार का है इसलिए महाराष्ट्र में कुछ कार्रवाई वो नही कर सकते है, मुस्लिम समाज में इस पर काफी ज्यादा रोष है, क्योंकि धर्म से जुड़ा हुआ मुद्दा है, एक बेटी के साथ किया गया अभद्र व्यवहार है। मुस्लिम समाज के लोगों की तरफ से शिकायत आ रही है। इस मामले में जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा–हमने ऐसी घटनाएं पहले भी देखी हैं। मेरे चुनाव के दौरान, लोग शायद भूल गए होंगे कि महबूबा मुफ्ती ने एक पोलिंग स्टेशन के अंदर एक वैध वोटर का बुर्का कैसे हटवाया था। यह उसी सोच का सिलसिला है। तब जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण था, और यह घटना (सीएम नीतीश से जुड़ी हुई) भी उतनी ही शर्मनाक है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि किसी भी हालत में किसी महिला को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना सही नहीं ठहराया जा सकता।

सबसे छोटे शीतकालीन सत्र की कुछ रोचक झलकियां

जब आप ये पंक्तियां पढ़ रहे होंगे, भारत के संसदीय इतिहास का सबसे छोटा शीतकालीन सत्र अपने समापन की ओर अग्रसर हो रहा होगा। ऐसे में पेश हैं मेरी संसदीय डायरी से कुछ संक्षिप्त टिप्पणियां। सर्वदलीय बैठक हर सत्र से पहले सरकार द्वारा सर्वदलीय बैठक बुलाने की परम्परा है। इस बार 36 दलों के फ्लोर नेताओं ने इसमें हिस्सा लिया। भाजपा को छोड़ हर दल ने हस्तक्षेप करते हुए उन मुख्य मुद्दों की सूची रखी, जिन पर वे सत्र के दौरान चर्चा चाहते थे। बैठक में मौजूद पांच मंत्रियों ने सुबह 11 बजे सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया। दोपहर 1.30 बजे उन्होंने शालीनता से सभी का धन्यवाद किया और विदा ले ली। तो सरकार ने बैठक में क्या कहा? वही बहुचर्चित वाक्य– 'हम आपसे शीघ्र ही सम्पर्क करेंगे!' सभापति का अभिनंदन रू सत्र के पहले दिन नवनियुक्त राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन का सभी दलों के सांसदों ने स्वागत किया। उनमें से कुछ ने अपने औपचारिक भाषणों का उपयोग राजनीतिक संकेत देने के लिए भी किया। यह स्तम्भकार भी उनमें शामिल था। नए सभापति से आग्रह किया गया कि रू (1) सदन की बैठकों की संख्या बढ़ाई जाएय पहली लोकसभा 45 दिनों तक चली थी, आज हालत यह है कि सत्र महज 15 दिनों का रह गया हैय (2) राज्यसभा में चर्चा के लिए अधिक नोटिस स्वीकारे जाएंय 2009 से 2016 के बीच जहां 110 नोटिस स्वीकार हुए, वहीं 2017 से 2024 के बीच यह संख्या गिरकर 36 रह गईय (3) विधेयकों की गंभीर जांच होय 15वीं लोकसभा में दस में से सात विधेयक संसदीय समितियों के पास भेजे गए थे, जबकि 16वीं और 17वीं लोकसभा (2019–24) में यह अनुपात घटकर क्रमशः तीन और दो रह गया। इनोवेटिव विरोध रू सामान्य तौर पर सांसद मकर द्वार पर विरोध–प्रदर्शन करते हैं। लेकिन टीएमसी ने इस परम्परा में थोड़ा बदलाव किया। पूरे सप्ताह विरोध अलग–अलग स्थानों पर दर्ज कराया गया– गांधीजी की प्रतिमा के पास (जो अब मुख्य इमारत से काफी दूर कर दी गई है), विजय चौक के लॉन और पुराने संसद भवन की सीढ़ियों पर। हालांकि प्रधानमंत्री द्वारा बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को 'बंकिम–दा' कहे जाने के विरोध के लिए टीएमसी ने एक बिल्कुल अलग स्थान चुना। सांसदों ने सेंट्रल हॉल में दस मिनट मौन धरना दिया। उनके हाथों में राष्ट्रीय गीत के रचयिता बंकिम चंद्र और राष्ट्रगान के रचयिता रबीन्द्रनाथ ठाकुर की तस्वीरें थीं। संदेश स्पष्ट था और प्रतीकात्मकता प्रभावशाली! सदन में क्रिकेटर कीर्ति आजाद और यूसुफ पठान की सदन में उपस्थिति ठीक–ठाक रही है। लेकिन इस सत्र में 'आप' के राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह को संसद की पिच पर खेलते नहीं देखा गया। सवाल है कि क्या वे संसद में कम उपस्थिति के मामले में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं? ध्यानाकर्षण मंजूर नहीं ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संसद की एक अहम युक्ति है, जिसके जरिए विपक्ष का कोई सदस्य किसी विशेष मुद्दे पर मंत्री का ध्यान आकर्षित कर सकता है। इससे विपक्ष को किसी महत्वपूर्ण विषय पर संक्षिप्त बहस शुरू करने और सरकार को जवाबदेह ठहराने का अवसर मिलता है। लेकिन एक बार फिर, न लोकसभा और न ही राज्यसभा में एक भी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव स्वीकार किया गया। नड्डा से सबक संसदीय परम्परा के अनुसार जब कोई मंत्री बोल रहा हो और विपक्ष का कोई सदस्य बीच में हस्तक्षेप करना चाहे, तो मंत्री अपनी बात रोकता है और बैठ जाता है, ताकि सांसद अपनी बात रख सके। राज्यसभा में जेपी नड्डा को भाषण के दौरान दो बार विपक्षी सांसदों को हस्तक्षेप की अनुमति देते देखना सुखद रहा। यह अच्छी परम्परा है। गृह मंत्री अमित शाह चाहें तो इस मामले में नड्डा से सीख सकते हैं! छात्रों से भेंट सत्र के दौरान ही इस स्तम्भकार को संसद में तमिलनाडु और झारखंड से आए छात्रों के एक समूह से मिलने का अवसर मिला। उनके लिए टूर गाइड बनना अपने आप में बेहद सुखद अनुभव था। ऐतिहासिक सेंट्रल हॉल उनका सबसे पसंदीदा स्थान निकला। एक छात्रा इस अनुभव से इतनी भावुक हो गई कि उसकी आंखों में आंसू आ गए। अधिक से अधिक युवाओं को सेंट्रल हॉल आकर इस विशिष्ट स्थल का अनुभव लेना चाहिए, जिसे अब लगभग किसी म्यूजियम में बदल दिया गया है! पुनश्च इस साल अप्रैल में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा पर रात 1 बजे चर्चा हुई थी। बीती रात भी 'मर्डर ऑफ मनरेगा बिल' विषय पर रात 2 बजे तक चर्चा चली। रतजगों से इस लगाव की भी अपनी संगीन वजहें हैं! सदन की बैठकों की संख्या बढ़ाई जाएय पहली लोकसभा 45 दिनों तक चली थी, आज हालत यह है कि सत्र महज 15 दिनों का रह गया है। साथ ही राज्यसभा में चर्चा के लिए अधिक नोटिस स्वीकारे जाएं और विधेयकों की गंभीर जांच हो।

नाजुक मामला है परमाणु ऊर्जा

केंद्र की मोदी सरकार ने सोमवार 15 दिसंबर को लोकसभा में एक नया विधेयक पेश किया, जो परमाणु दुर्घटनाओं की स्थिति में आपूर्तिकर्ताओं के लिए भारत के सख्त कानून को खत्म करने के साथ ही निजी कंपनियों को उस क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति देता है जो अब तक विशेष सार्वजनिक उद्यमों के लिए आरक्षित था। इस विधेयक के एक बार पारित होने के बाद निजी कंपनियों को परमाणु ऊर्जा संयंत्र या रिएक्टर के निर्माण, स्वामित्व, संचालन या बंद करने, परमाणु ईंधन के निर्माण (जिसमें यूरेनियम–235 का

रूपांतरण, शोधन और संवर्धन शामिल है) या केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित किसी अन्य निर्धारित पदार्थ के उत्पादन, उपयोग, प्रसंस्करण या निपटान के लिए लाइसेंस प्रदान किए जाएंगे। परमाणु ऊर्जा का क्षेत्र देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। इसलिए इस पर बहुत सोच–विचार कर निर्णय लेने की जरूरत है। अभी यह भी समीक्षा का विषय है कि सरकार यह फैसला बिना किसी दबाव के जरूरत में ले रही है या इसके पीछे कोई मजबूरी छिपी है।

आपको बता दें कि लोकसभा में सिविल न्यूक्लियर कानून में बदलाव का प्रस्ताव रखा गया है। इसके जरिए सरकार अब परमाणु ऊर्जा पर सरकार का एकाधिकार खत्म करने की तैयारी कर रही है। अगर मौजूदा कानून को बदलने के लिए लाया गया विधेयक स्वीकार होता है तो आने वाले दिनों में भारत में निजी कंपनियां और यहां तक कि आम आदमी भी परमाणु संयंत्र के निर्माण और इसके संचालन जैसी गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। केंद्रीय विज्ञान–तकनीक मामलों के राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में इससे जुडा विधेयक पेश किया। इस पर चर्चा भी हुई। बताया गया है कि इस विधेयक को कानून बनवाकर सरकार 2047 तक कुल 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा पैदा करने के लक्ष्य को पूरा करने का प्रयास कर रही है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर इस विधेयक में क्या प्रस्ताव हैं, जिन्हें लेकर देशभर में चर्चाएं जारी हैं? इससे परमाणु ऊर्जा के इस्तेमाल के नियम किस तरह बदल जाएंगे? अगर निजी और आम लोगों को परमाणु उपकरण के इस्तेमाल की इजाजत होगी तो इसकी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी? अगर ऐसे में कोई हादसा हो जाता है तो इससे कैसे निपटा जाएगा? इसके अलावा सरकार का यह कदम महत्वपूर्ण क्यों है? सिविल न्यूक्लियर कानून में बदलाव के लिए जो विधेयक लाया गया है, उसे सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (एसएचएएनटीआई यानि शांति), 2025 नाम दिया गया है। इसके जरिए सरकार परमाणु ऊर्जा कानून (एटॉमिक एनर्जी एक्ट), 1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 को वापस ले लेगी। मौजूदा समय में भारत में परमाणु पदार्थों, ऊर्जा और उपकरणों के इस्तेमाल को लेकर यही दोनों कानून दिशा–निर्देश तय करते हैं। शांति, 2025 विधेयक में परमाणु ऊर्जा के उत्पादन, इस्तेमाल और नियमन के लिए एक नया वैध ढांचा तैयार करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा रेडिएशन के मानकों को लेकर भी इस विधेयक में कई नियम शामिल किए गए हैं। विधेयक में कहा गया है कि परमाणु ऊर्जा भारत की स्वच्छ ऊर्जा जरूरतों के लिए काफी अहम है। खासकर जैसे–जैसे ऊर्जा की मांग वाली तकनीक जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डाटा सेंटर्स और उत्पादन की मांग बढ़ती जा रही है। विधेयक में कहा गया है कि सभी परमाणु और इससे होने वाले उत्सर्जन से जुड़ी गतिविधियों के लिए केंद्र सरकार और परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) से सुरक्षा मंजूरियां लेनी होंगी। इस विधेयक के जरिए परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड की शक्तियां बदल दी गई हैं। अब एईआरबी सुरक्षा, रेडिएशन, परमाणु कचरे के प्रबंधन, जांच और आपात स्थिति को लेकर ज्यादा शक्तिशाली होगा। सरकार के पास रेडियोएक्टिव पदार्थों या रेडिएशन से जुड़े उपकरणों के नियंत्रण का भी अधिकार होगा, ताकि किसी सुरक्षा खतरे की स्थिति में सरकार खुद व्यवस्था को अपने हाथ में ले सके। परमाणु ऊर्जा अगर भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सहायक है तो इसका गलत प्रबंधन हादसों को भी बुलावा दे सकता है। ऐसे में सरकार ने विधेयक में परमाणु हादसों को ध्यान में रखते हुए कुछ नियम बनाए हैं। इसके तहत किसी भी दुर्घटना की स्थिति में परमाणु ऊर्जा से जुड़े केंद्र के संचालक को सबसे पहले घटना के लिए जिम्मेदार माना जाएगा और उसे नुकसान की भरपाई करनी होगी। इसमें कहा गया है कि परमाणु केंद्र का संचालक हर तरह के नुकसान और तबाही के लिए जिम्मेदार होगा, सिवाय किसी खतरनाक प्राकृत्तिक आपदा से हुई तबाही के। यानी अगर कोई प्राकृतिक आपदा ऐसी है, जिसमें तमाम सुरक्षा मानकों का पालन करने के बावजूद नुकसान को नहीं रोका जा सकता, उस स्थिति में संचालक की जिम्मेदारी सीमित या नहीं होगी। इसके अलावा सशस्त्र संघर्ष, गृह युद्ध, आतंकवाद की घटना या विद्रोह की स्थिति में भी परमाणु इंस्टॉलेशन के संचालक की जिम्मेदारी सीमित या तय होगी। विधेयक में यह भी कहा गया है कि अगर नुकसान का मुआवजा संचालक की तय जिम्मेदारी से ज्यादा है तो अतिरिक्त मुआवजे के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार होगी। सरकार ने साफ किया है कि परमाणु ऊर्जा के लिए इससे जुड़े पदार्थ और उपकरणों का इस्तेमाल करने वाली निजी कंपनियों के लिए लोगों को बीमा और वित्तीय सुरक्षा का प्रबंधन करना जरूरी होगा, ताकि किसी संभावित नुकसान की स्थिति में उसकी भरपाई की जा सके। विधेयक में कहा गया है कि किसी हादसे की स्थिति में परमाणु नुकसान के दावों से जुड़े आयोग का गठन किया जाएगा, जो कि मुआवजे को लेकर फैसला करेगा। मौजूदा समय में भारत का परमाणु बीमा पूल (आईएनआईपी) किसी परमाणु संचालक और सप्लायर को परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 के तहत 1500 करोड़ का कवरेज मुहैया कराता है। इस विधेयक की एक खास बात यह है कि इसमें कंपनियों को लाइसेंस पाने के लिए अनुसंधान और नवाचार से जुड़ी गतिविधियां दिखाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संस्थानों को लाइसेंस के लिए इन दोनों ही मानकों को दिखाना होगा। भारत के परमाणु ऊर्जा से सम्पन्न बनने के बाद से ही इस पर सरकार का एकाधिकार रहा है। सरकार के नियंत्रण में भारत का परमाणु ऊर्जा बेस काफी संतुलित रहा है। देश में 23 परमाणु रिएक्टर हैं, जिन्हें सरकार ही प्रबंधित करती है और इनकी पूरी जिम्मेदारी न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के पास है। इन सभी के जरिए भारत हर वर्ष करीब 8.8 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा पैदा करता है। हालांकि, सरकार ने 2032 तक 22 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा पैदा करने का लक्ष्य रखा है, जिसे 2047 तक बढ़ाकर 100 गीगवॉट पहुंचाने की मंशा जताई गई है। ऐसे में सरकार निजी कंपनियों के लिए भी परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को खोलने के लिए तैयार है, ताकि इन लक्ष्यों को जल्द हासिल किया जा सके। विधेयक में सरकार ने निजी कंपनियों के लिए न सिर्फ रास्ते खोले हैं, बल्कि विदेशी निवेशकों के लिए भी नियमों को आसान बनाया है। (हिफी)

आंखें तरेरता बांग्लादेश

अपने विदेश दौरों की गिनती बढ़वा कर और सबसे अधिक देशों से वहां का सर्वोच्च सम्मान हासिल करने का रिकार्ड अपने नाम करवाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगे हुए हैं। उनके लिए शायद बड़ी उपलब्धि यही होगी कि कितने राष्ट्राध्यक्षों को उन्होंने झप्पी दी है, कितनों के साथ कार में अकेले सवारी की है और कितनों को पहले नाम से बुलाते हैं। लेकिन मोदी से पहले भारत की विदेश नीति की धमक इस कारण से बनी हुई थी कि वह गुट निरपेक्ष आंदोलन का प्रणेता था, वैश्विक शक्तियों के सामने नवोदित देशों को सम्मान के साथ खड़े होने का आदर्श उसने पेश किया और तीसरी दुनिया के देश भारत को बड़े भाई की तरह देखते थे। पाकिस्तान के साथ तो भारत के रिश्ते हमेशा नरम–गरम रहे, लेकिन पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश, पड़ोसी देश नेपाल, भूटान, श्रीलंका, म्यांमार सब पर भारत का रसूख बना हुआ था, जो अब लगभग खत्म हो चुका है। इन सब देशों के साथ संबंध अभी सामान्य हैं, लेकिन जो गर्माहट पहले हुआ करती थी, वो मोदी सरकार के आने के बाद खत्म हो गई है।खास तौर पर बांग्लादेश के साथ तो हमेशा से एक अपनापा रहा है। वहां का मुक्ति संग्राम भारत के कारण सफल हुआ। दोनों देशों का राष्ट्रगान रवीन्द्रनाथ टैगोर ने लिखा है, इस बात पर भी नागरिकों को खुशी होती थी। दोनों देश पाकिस्तान की सैन्य तानाशाही के नुकसान देख चुके हैं। इसके अलावा अविभाजित भारत का हिस्सा होने के कारण सांस्कृतिक, भाषायी, धार्मिक इतिहास की साझेदारी भी रही है। लेकिन अब वही बांग्लादेश भारत को न केवल तोड़ने की धमकी दे रहा है, बल्कि खुलकर पाकिस्तान और चीन के साथ जाते हुए भारत के योगदान की अवहेलना भी कर रहा है।बुधवार को भारत ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमिदुल्लाह को तलब कर ढाका में भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता जताई थी। इसी पर बांग्लादेश की नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के सदर्न चीफ ऑर्गेनाइजर हसनत अब्दुल्लाह ने कहा कि भारत के उच्चायुक्त को देश से बाहर निकाल देना चाहिए था। इससे पहले अब्दुल्लाह भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग करने की धमकी दे चुके हैं। बता दें कि दो महीने में यानी फरवरी 2026 में बांग्लादेश में आम चुनाव होंगे और एनसीपी ने हसनत अब्दुल्लाह को कुमिल्ला–4 से उम्मीदवार बनाया है। इसी कुमिल्ला में अब्दुल्लाह ने भारत विरोधी बातें कहीं, उन्होंने कहा कि भारत के उच्चायुक्त को देश से बाहर निकाल देना चाहिए था क्योंकि वह शेख हसीना को शरण दे रहा है। हम आपका सम्मान करें और आप देखते ही गोली मारने की बात करो, ये सही नहीं है।भारत के विदेश मंत्रालय ने इस पर प्रतिक्रिया दी है कि बांग्लादेश में हाल की कुछ घटनाओं को लेकर कट्टरपंथी तत्वों के झूठे विमर्श को हम पूरी तरह से खारिज करते हैं। हसनत जैसे चरमपंथी और हिंसक विचारधारा वाले लोग और उनके समर्थक अब मोहम्मद यूनुस को समर्थन देने वाली एकमात्र वास्तविक शक्ति बन गए हैं। जिस देश में यूनुस के नेता सार्वजनिक रैलियों में खुलेआम यह कह सकते हैं कि वे एक पड़ोसी देश के उच्चायुक्त को बाहर निकाल देंगे, वहां यह स्पष्ट है कि आम लोग दिन–रात खुद को कितना असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ऐसे बांग्लादेश में आम नागरिक अब न तो अपने जीवन को लेकर सुरक्षित महसूस करते हैं और न ही अपनी संपत्ति को लेकर यह कठोर वास्तविकता देश में कानून–व्यवस्था और राजनीतिक संयम के पूरी तरह ढह जाने को उजागर करती है। इधर भारत में शरणागत बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजीद जॉय ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए ईमेल इंटरव्यू में कहा है कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार एक इस्लामी शासन स्थापित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि बांग्लादेश में जो अभी स्थिति है, वह भारत के लिए खतरा बढ़ा रही है। अमेरिका में रहने वाले वाजीद ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से पाकिस्तान की बढ़ती कथित कध्रीबी को लेकर इंडियन एक्सप्रेस से कहा, यह भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। हमारी अवामी लीग सरकार ने भारत की पूर्वी सीमाओं को सभी आतंकवादी गतिविधियों से सुरक्षित रखा था। उससे पहले, बांग्लादेश का व्यापक रूप से भारत में विद्रोह फैलाने के लिए एक बेस के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। वाजीद ने यह भी कहा कि यूनुस सरकार ने देश में जमात–ए–इस्लामी और अन्य इस्लामी दलों को खुली छूट दे दी है। सभी प्रगतिशील और उदारवादी दलों पर प्रतिबंध लगाकर एक धांधलीपूर्ण चुनाव कराकर, यूनुस इस्लामी कट्टरपंथियों को सत्ता में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बेहद गंभीर चेतावनी है और महज बांग्लादेशी घुसपैठियों का नाम लेकर देश में चुनावी फायदा उठाने की कोशिश में लगी भाजपा को इन हालात की गंभीरता समझनी होगी। अगले साल बांग्लादेश में किस तरह चुनाव होते हैं और किसके हाथ में सत्ता आती है, यह तो अभी पता नहीं, लेकिन मौजूदा सरकार ने भारत को पूरी तरह किनारे लगा ही दिया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने भारत पर 1971 के मुक्ति संग्राम में बांग्लादेश के योगदान को लगातार कम करके आंकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के स्वतंत्रता सेनानियों के बिना यह जीत संभव नहीं थी। तौहीद ने कहा कि कोलकाता में इस दिन को अलग से श्ईस्टर्न कमांड डेश के रूप में मनाया जाता है, जो इस बात को दर्शाता है कि भारत इसे अपनी सशस्त्र सेनाओं की जीत के रूप में देखता है। यह सच है कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल की थी। लेकिन बांग्लादेश में मिली जीत के संदर्भ में खुद भारतीय विशेषज्ञ, जिनका मैंने अपनी किताब में उल्लेख किया है, यह स्वीकार करते हैं कि अगर स्थानीय प्रतिरोध से पाकिस्तानी सेना को कमजोर न किया गया होता तो भारत को जीत में कहीं अधिक समय लगता। पिछले साल दिसंबर महीने में ही बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सदस्य मिर्जा अब्बास ने कहा था, श्भारत ने बांग्लादेश नहीं बनाया। हमने बांग्लादेश मुक्त कराया। भारत ने तो पाकिस्तान को बांटा और ये अपने स्वार्थ में किया न कि हमारे स्वार्थ के लिए।बेशक बांग्लादेश ने अपनी मुक्ति के लिए खुद लड़ाई लड़ी और लाखों लोगों ने कुर्बानियां दीं, शेख हसीना का परिवार भी उन्हीं में से एक है। उनके पिता शेख मुजीबुर्ररहमान ने अपनी जान दे दी, लेकिन देश से भागे नहीं। आज उन्हीं मुजीबुर्ररहमान को जब बांग्लादेश में अपमानित किया जा रहा है, तो इंदिरा गांधी के योगदान को याद रखे, इसकी उम्मीद नहीं की जाना चाहिए। लेकिन कम से कम मोदी सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बांग्लादेश उसे आंखें न तरेरे। अपनी वाहवाही से फुर्सत मिले तो प्रधानमंत्री मोदी अड़ोस–पड़ोस की खबर ले लें।

मकान ध्वस्त करने की चर्चा कर अखिलेश ने बढ़ाई सरगर्मी

अंबेडकरनगर। अकबरपुर तहसील क्षेत्र के अरिया बाजार में बिना मजिस्ट्रेट की मौजूदगी और सीमांकन कराए जेसीबी से मकान ध्वस्त किए जाने के मुद्दे की बृहस्पतिवार को प्रेस वार्ता में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चर्चा कर सरगर्मी बढ़ा दी है। पूर्व सीएम ने कहा कि किसी भी घटना पर बुलडोजर चल जाता है। इस बार मुख्यमंत्री के खिलौना बुलडोजर का ड्राइवर भाग गया है, चाबी खो गई है और चलने के लिए ईंधन नहीं है। अंबेडकरनगर के पूर्व मंत्री बता रहे थे कि एक का घर गिरा दिया, अब प्रशासन समझौता करने में लगा हुआ है। बीते शनिवार को लखनऊ के विपुल खंड गोमतीनगर निवासी अनिल कुमार सिंह व अन्य लोगों ने गाटा संख्या 376 पर बने पुराने खंडहरनुमा मकान को बिना मजिस्ट्रेट की मौजूदगी के ध्वस्त करा दिया था। इस मामले में डीएम अनुपम शुक्ला ने पूर्व में ही एडीएम न्यायिक रंजीत सिंह की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन कर दिया था। इस मामले में जांच चल रही है। आगामी 20 दिसंबर को सभी पक्षों को साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए बुलाया गया है। एडीएम न्यायिक ने बताया कि मामले में रिपोर्ट तैयार कर डीएम को सौंपी जाएगी।

कांग्रेसियों ने नारेबाजी कर किया प्रदर्शन

अंबेडकरनगर। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के विरोध में बृहस्पतिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यालय का घेराव करते हुए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि भाजपा, कांग्रेस पार्टी से डर गई है। इसलिए नेता प्रतिपक्ष लोकसभा राहुल गांधी की छवि बिगाड़ने के लिए ईडी का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा न्यायालय ने नेशनल हेराल्ड मामले में चार्जशीट स्वीकार करने से इनकार करना सत्य की जीत है। केंद्र सरकार बदले की राजनीति कर विपक्ष को डराना चाह रही है। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष हेमंत यादव ने कहा कांग्रेस सत्यमेव जयते में विश्वास रखती है। जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल छोटू ने कहा कि कोर्ट के निर्णय ने यह साबित कर दिया कि सत्य की हमेशा जीत होती है। नारेबाजी कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पटेलनगर तिराहे के पास रोक लिया। इस दौरान श्रीकांत वर्मा, ऐतबार हुसैन ,युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव विशाल वर्मा, मूलचंद जायसवाल, जियाउद्दीन अंसारी, राजीव गुप्ता, कांग्रेस किसान सभा के प्रदेश सचिव अमित कुमार यादव संजय, अशोक सत्यार्थी ने कहा, सच्चाई की हमेशा जीत होती है, कोर्ट के फैसले ने यह साबित कर दिया। इस दौरान जिला महासचिव शीतला प्रसाद श्रीवास्तव सोनू, आदित्य तिवारी, अनुराग तिवारी, ब्लाक अध्यक्ष जलालपुर राजकुमार अग्रहरि , युवा नेता कामरान अब्बास, मिसबाहुद्दीन,मो. फरियाद, मो इलियास, निशा भारती आदि मौजूद रहे।

फैजाबाद बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव की अधिसूचना जारी

अयोध्या। फैजाबाद बार एसोसिएशन अयोध्या के वार्षिक चुनाव 2025–26 की अधिसूचना जारी हो गयी है इसी के साथ कचेहरी परिसर में चुनावी सरगर्मी तेज हो गयी है। प्रतिष्ठापूर्ण अध्यक्ष व महामंत्री समेत 11 पदों पर होने वाले चुनाव को लेकर प्रत्याशियों ने जोर शोर से नामांकन करने के लिए अपने समर्थकों के साथ बातचीत करना शुरू कर दिया है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व चुनाव अधिकारी सूर्य नारायन सिंह के मुताबिक अध्यक्ष समेत अन्य पदों पर होने जा रहे चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया तीन दिन होगी। 22, 23, 24 दिसम्बर को नामांकन की प्रक्रिया होगी। नामांकन पत्रों की जांच 25 दिसम्बर और नाम वापसी उसी दिन को होगी। नामांकन सुबह 10.30 बजे से 3 बजे तक होगा। लंच के लिए 1. 30 बजे से 2 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। मतदान 6 जनवरी को और मतगणना 7 जनवरी 2026 को पुस्तकालय भवन में कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू कराया जायेगा।इसी के साथ कचेहरी परिसर में चुनावी सरगर्मी बढ़ गयी है। प्रतिष्ठापूर्ण अध्यक्ष व महामंत्री पद के प्रत्याशियों ने कचेहरी परिसर से लेकर कचेहरी व चारो तहसीलों बीकापुर, मिल्कीपुर, रुदौली व सदर जाकर मतदाताओं के बीच जनसम्पर्क कर रहे हैं। प्रतिष्ठापूर्ण अध्यक्ष पद पर अभी तक 6 अधिवक्ताओं का नाम चुनाव लड़ने की लिस्ट में है। इनमे वरिष्ठ अधिवक्ता कालिका प्रसाद मिश्र, वाईपी. मिश्र, अरविन्द सिंह, बब्बन प्रसाद चौबे, राजीव कुमार पाण्डेय व युगुल किशोर मिश्र का नाम चर्चा में है। उपाध्यक्ष पद पर राजेश उपाध्याय, रणधीर यादव, अंजनी त्रिपाठी उर्फ प्रभु जी, अशोक कुमार सिंह मुन्ना राजेश पाण्डेय व धनुष श्रीवास्तव का नाम लिया जा रहा है। महामंत्री पद पर वरिष्ठ अधिवक्ता अजय कुमार वर्मा, शैलेन्द्र जायसवाल, राजेश यादव, प्रदीप चौबे, अजय कुमार श्रीवास्तव, विनोद कुमार सिंह, सोमनाथ तिवारी चुनाव लड़ने की चर्चा में है। कोषाध्यक्ष के पद पर अशोक कुमार दूबे, जय प्रकाश पाल व राजेन्द्र कुमार तिवारी का नाम चुनाव लड़ने की चर्चा में है। संयुक्त मंत्री प्रथम के पद पर संतोष कुमार मिश्र, मनोज कुमार सिंह व द्वितीय के पद पर अखण्ड यादव, अजय श्रीवास्तव, राकेश द्विवेदी, का नाम चर्चा में है। कार्यकारिणी ए के लिए रामचन्द्र यादव, दुर्गा प्रसाद सिंह, पंकज कुमार द्विवेदी, रामजी गुप्ता व बी पद पर विजय नारायन तिवारी, कौशल किशोर व सी पद पर रुद्र प्रकाश मिश्र, सलीम नैयर, प्रदीप श्रीवास्तव व प्रदीप कुमार सिंह का नाम शामिल है।

पिता को सात, बेटे समेत दो को पांच साल की सजा

अंबेडकरनगर। विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट परविंद कुमार ने आलापुर में 2008 के गैंगस्टर एक्ट, मारपीट व गैर इरादतन हत्या के मामले में बृहस्पतिवार को पिता–पुत्र समेत तीन दोषियों को सजा सुनाई है। इस प्रकरण में ग्राम बधया पिपरा हिसामुद्दीनपुर के नरेंद्र देव यादव, अनूप यादव, वंश बिहारी यादव और नरेंद्र के पुत्र आलोक यादव नामजद हुए थे। पुलिस ने विवेचना के बाद आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया था। बृहस्पतिवार को कोर्ट ने मुख्य दोषी नरेंद्र देव यादव को गैर–इरादतन हत्या का दोषी मानते हुए सात वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। 16 हजार रुपये अर्थदंड लगाया। आलोक यादव और वंश बिहारी यादव को पांच साल की सजा सुनाई और छह–छह हजार रुपये अर्थदंड लगाया।

अशफाक उल्ला खां के शहादत दिवस पर भाजपाईयों ने दी श्रद्धांजलि

अयोध्या। काकोरी एक्शन के महानायक और अमर शहीद अशफाक उल्ला खां के शहादत दिवस पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष संजीव सिंह के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिला कारागार परिसर पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर शहीद के बलिदान को स्मरण करते हुए देशभक्ति के नारों के साथ वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रहा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि अशफाक उल्ला खां का जीवन त्याग, साहस और राष्ट्रप्रेम की अनुपम मिसाल है। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपने प्राणों की आहुति देकर यह सिद्ध कर दिया कि भारत की आजादी के आंदोलन में धर्म और मजहब से ऊपर उठकर सभी देशवासियों ने समान रूप से बलिदान दिया। अशफाक उल्ला खां का चिंतन और बलिदान संपूर्ण राष्ट्र के लिए था। जिलाध्यक्ष ने कहा कि काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक ऐसा अध्याय है, जिसने युवाओं में क्रांति की अलख जगाई। तत्कालीन फैजाबाद जेल में दी गई उनकी शहादत आज भी देश के युवाओं को राष्ट्र के प्रति समर्पण और कर्तव्यबोध की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसे वीर सपूतों के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने और नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मौके पर जेल अधीक्षक उदय प्रताप मिश्र, कमलाशंकर पांडे, सुनील तिवारी शास्त्री, करुणाकर पाण्डेय, जिला महामंत्री मनोज वर्मा, परमानंद मिश्र, जिला पंचायत सदस्य चंद्रभान सिंह, मुकेश तिवारी, बबलू मिश्रा, डॉ अवधेश वर्मा, अभिषेक पांडे, पवन चौरसिया, अनिल प्रधान सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सामाजिक चेतना व संगठन सशक्तिकरण पर केंद्रित रही आईवीएफ की राष्ट्रीय बैठक

अयोध्या। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन की राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक के प्रथम दिन संगठन को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और वैचारिक रूप से सशक्त बनाने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में 11 सूत्रीय सामाजिक चेतना कार्यक्रम के अंतर्गत विवाह आयोजनों में प्री–वेडिंग शूट पर रोक, शाकाहार को बढ़ावा देने, लिफाफा प्रथा समाप्त करने और भोजन की बर्बादी रोकने के लिए सामूहिक संकल्प जैसे विषयों पर विचार किया गया। इसके साथ ही युवा व्यापारियों को संगठन से जोड़ने के लिएआईवीएफ व्यापारी ऐप, महिला एवं युवा सशक्तिकरण, समाज की राजनीतिक भागीदारी, सदस्यता विस्तार तथा संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीतियों पर मंथन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक अग्रवाल व श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यसमिति का अयोध्या में आयोजन होना अपने आप में महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भूमि भारतीय आस्था, संस्कृति और मूल्यों का प्रतीक है। कहा कि प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर आज देशवासियों के सामूहिक संकल्प, त्याग और दीर्घकालीन संघर्ष का परिणाम है। यह मंदिर केवल एक धार्मिक संरचना नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मसम्मान का प्रतीक है।लखनऊ उत्तर के विधायक एवं अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष नीरज बोरा ने कहा कि अयोध्या की भूमि भारतीय संस्कृति और आस्था का केंद्र रही है। उन्होंने राम मंदिर निर्माण से जुड़े ऐतिहासिक संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि मंदिर और शिखर पर ध्वजा स्थापित होना पूर्वजों के संकल्प की पूर्ति है।क्षेत्रीय अध्यक्ष अमल गुप्ता ने बताया कि बैठक के दौरान अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन व्यापारी दिवस और भामाशाह पुरस्कार आयोजित किए जाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने इसे समाज के प्रति योगदान को सम्मानित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में श्याम जाजू, जगदीश मित्तल, सुखेंद्र गुप्ता, विपिन राम अग्रवाल, राजीव परम डेरी, मिथिलेश अग्रवाल, ध्रुवदास अग्रवाल, मानवती अग्रवाल, मीना गुप्ता, अजय गुप्ता और लेखराज महेश्वरी उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता अशोक अग्रवाल ने की। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

नियमित करने की मांग को लेकर आशा कार्यकर्ता हड़ताल पर

प्रयागराज। घने कोहरे और कड़ाके की ठंड में प्रयागराज के कलेक्ट्रेट में सैकड़ों की संख्या में आशा कार्यकर्ता जुटीं। इस दौरान धरना–प्रदर्शन किया गया। आशा कार्यकर्ताओं की मांग थी कि उन्हें नियमित किया जाए। इसके लिए आंदोलन को धार देने की बात कही।नियमित करने की मांग को लेकर गुरुवार सुबह से ही आशा कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचने लगी थीं। दोपहर में जबरदस्त प्रदर्शन किया। एडीएम सिटी कार्यालय के सामने सैकड़ों की संख्या में आशा कार्यकर्ताओं ने धरना भी दिया। इस दौरान हुई सभा में कहा गया कि मांगों को लेकर उन सबने हड़ताल कर दी है। कहा कि राज्य कर्मचारी का उन्हें दर्जा दिया जाए। प्रदर्शन में जिले के सभी ब्लाकों से आशा कार्यकर्ता शामिल रहीं।

5 लाख सब्सक्राइबर होने पर 5 हजार छात्रों का भंडारा

कोचिंग सेंटर के यू–ट्यूब चौनल की लोकप्रियता बढ़ने पर आयोजन

प्रयागराज। प्रयागराज में एक कोचिंग सेंटर के यूट्यूब चैनल पर 5 लाख सब्सक्राइबर हो गए हैं। इसकी खुशी में कोचिंग संचालकन ने भव्य भंडारे का आयोजन किया। इसमें 5 हजार से ज्यादा छात्र पहुंच गए। भंडारे में पूड़ी–सब्जी खाने के लिए छात्रों की लाइन लगवानी पड़ी। देखते ही देखते छात्रों की लाइन डेढ़ किलोमटर लंबी होती चली गई।बुधवार की शाम को कोचिंग सेंटर से हेलीकॉप्टर चौराहे तक लंबी लाइन को संभालने के लिए छात्रों को चार कतार में खड़ा करवाया गया। अव्यवस्था न हो, इसके लिए कोचिंग के बाउंसर व स्टाफ हाथों में डंडे लेकर इन छात्रों को नियंत्रित करने में जुझते रहे।नौबत यह हुआ कि कई बार खाना खत्म हो गया। इसके बावजूद छात्र लाइन छोड़कर नहीं हटे। माइक से अनाउंस किया जा रहा था कि खाना खत्म हो चुका है, अब सभी छात्र अपने अपने रूम पर जाएं और दाल–चावल बनाकर खाएं। फिर भी छात्र डटे रहे। अलग–अलग शिफ्ट में भंडारा बनने के बाद पूड़ी–सब्जी खाकर ही वापस हुए।

साइबर अपराधियों ने महिला समेत तीन को शिकार बनाया

प्रयागराज। शहर में महिला समेत तीन लोगों को गैस बिल अपडेट, ऑनलाइन रिफंड, फेसबुक की फर्जी आईडी और स्पीड पोस्ट के बहाने से 2.37 लाख रुपए की ठगी कर ली। सभी मामलों में थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार अशोक नगर निवासी सत्य प्रकाश पांडेय ने कैंट थाना पुलिस को बताया कि उनके व्हाट्सएप पर अदानी गैस के नाम से बिल अपडेट कराने का मैसेज आया। मैसेज के थोड़ी देर बाद ही उनके बैंक खाते से 35,059 रुपए कट गए। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ठगों की तलाश शुरू कर दी है।दूसरी घटना में कैंट थाना क्षेत्र के राजापुर के ऊंचवागढ़ी निवासी पुष्पा गौतम के पति सुशील को 13 दिसंबर को पड़ोसी धीरज की फेसबुक आईडी से मैसेज आया। मैसेज में धीरज ने बताया कि वे सऊदी अरब में फंस गए हैं और 85 हजार रुपए चाहिए। झांसे में आकर सुशील ने 30 हजार रुपए भेज दिए। बाद में धीरज के घर जाकर पता चला कि आईडी फर्जी थी।धूमनगंज थाना क्षेत्र में प्रीतम नगर निवासी शत्रुघ्न प्रसाद को 9 अक्टूबर को मोबाइल पर मैसेज आया कि उनके स्पीड पोस्ट पत्र का पता गलत दर्ज है। 30 रुपए भुगतान कर सही पता अपडेट करने को कहा गया। भुगतान के बाद ठग गायब हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

दो हास्टलों के छात्र भिड़े, दो छात्र घायल

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के यूनियन भवन गेट पर लगातार दो दिन अलग अलग दो हिंसक घटनाएं हुईं। 15 और 16 दिसंबर को अलग–अलग मामलों में छात्रों के साथ लाठी, डंडे और रॉड से मारपीट किए जाने के आरोप सामने आए हैं। दोनों ही मामलों में कर्नलगंज पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पहली घटना 15 दिसंबर की शाम की बताई गई है। हालैंड हॉल हॉस्टल के पूर्व अंतः वासी सतेन्द्र पाल ने शिकायत में बताया कि वह अधीक्षक की अनुमति से कक्ष संख्या 52 में गेस्ट के रूप में रह रहे हैं। यूनियन गेट पर चाय पीने के दौरान सर सुंदरलाल छात्रावास के कुछ छात्रों वीर अर्जुन प्रकाश, आकर्ष तिवारी सहित 12 से 15 अन्य युवकों ने उस पर रॉड और डंडों से हमला कर दिया। इस संबंध में हालैंड हॉल हॉस्टल प्रशासन की ओर से भी शिकायत को आवश्यक कार्रवाई के लिए थाना कर्नलगंज भेजा गया, जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली।

दूसरी घटना 16 दिसंबर की है। सर सुंदरलाल छात्रावास में रहने वाले छात्र सुमित कुमार यादव ने कोतवाली कर्नलगंज में दर्ज कराई एफआईआर में आरोप लगाया है कि वह शाम करीब 4ः30 बजे यूनियन गेट से परीक्षा देकर निकल रहे थे। इसी दौरान 15 से 20 की संख्या में पहुंचे युवकों ने उन्हें घेर लिया और लाठी, डंडे व रॉड से अकारण हमला कर दिया। हमले में सुमित के सिर पर गंभीर चोट आई और सिर फट गया।सुमित ने शिवम कुमार यादव (निवासी कुंडा), अमित पांडे सहित कुछ अन्य अज्ञात लोगों को हमलावर बताया है। घटना के प्रत्यक्षदर्शी के रूप में धर्मेश कुमार सिंह का नाम भी एफआईआर में दर्ज है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।लगातार दो दिनों में एक ही स्थान पर हुई घटनाओं को गंभीर मानते हुए पुलिस ने जांच तेज कर दी है। यूनियन भवन गेट और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। कर्नलगंज थाना प्रभारी संजय सिंह का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

आधार कार्ड में नाम बदलकर अब्दुल्ला बन गया आफताब

प्रयागराज। नैनी जेल में निरुद्ध खुल्दाबाद के अटाला निवासी अभियुक्त आफताब हसन सिद्दीकी असल में अब्दुल्ला अंसारी है। यह जानकारी एसआईआर फॉर्म के जरिये सामने आई। उसने आधार कार्ड में अपना नाम बदलकर फर्जीवाड़ा किया था। मामले का खुलासा होने पर मुट्ठीगंज थाना प्रभारी ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मुट्ठीगंज थाना प्रभारी अरुण कुमार सिंह ने एफआईआर में बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेश पर लूट–छिनैती के अभियुक्तों का सत्यापन किया गया। मुट्ठीगंज थाने में लूट और छिनैती की धारा में दर्ज दो एफआईआर में अटाला निवासी अभियुक्त आफताब हसन सिद्दीकी का नाम सामने आया। उसके विरुद्ध दोनों मामलों में आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया जा चुका है। सत्यापन के लिए अभियुक्त का आधार कार्ड नंबर लेकर पुलिसकर्मी उसके पते पर पहुंचे जहां पता चला कि आफताब हसन का असली नाम अब्दुल्ला अंसारी है। छोटे भाई अब्दुल मुत्तलिब ने सगे बड़े भाई अब्दुल्ला अंसारी का एसआईआर फॉर्म संख्या 1121 उपलब्ध कराया।इसमें निर्वाचक का नाम अब्दुल्ला अंसारी और इलेक्ट्रॉनिक इलेक्टोरल फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) व पता अटाला दर्ज था। मामले में स्थानीय पार्षद से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि आधार कार्ड पर फोटो व पता अब्दुल्ला अंसारी का ही है लेकिन नाम आफताब हसन दर्ज है।पुलिस के अनुसार अभियुक्त अब्दुल्ला अंसारी ने जान बूझकर आफताब हसन सिद्दीकी के नाम से कूटरचित आधार कार्ड तैयार कराया। थाना प्रभारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि मार्च व जून 2025 में दो महिलाओं से चेन छिनैती के मामलों में आरोपी पर विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें आरोपी अब्दुल्ला अंसारी ने आफताब हसन सिद्दीकी के नाम के दस्तावेज दिए थे। जून 2025 में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। इसके बाद से वह जिला कारागार नैनी में निरुद्ध है।

वामदलों ने निकाला सद्भावना मार्च

अयोध्या। आजादी के आंदोलन में मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों अशफाक उल्ला खां, राम प्रसाद बिस्मिल व रोशन सिंह के शहादत दिवस पर शुक्रवार को वामदलों ने डाक बंगला से मंडल कारागार तक साम्प्रदायिक नफरत के खिलाफ "सदभावना मार्च" निकालकर शहीद अशफाक की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। मार्च से पूर्व हुई सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि फैजाबाद शहीदों की धरती है और यह धरती सांझी शहादत व सांझी विरासत की गवाह रही है। अंग्रेज इसी विरासत और हिन्दू – मुस्लिम एकता को तोड़कर अपना राज चलाना चाहते थे लेकिन क्रांतिकारियों ने उनके षडयंत्र को ध्वस्त करते हुए देश को आजाद कराने का काम किया था। वक्ताओं ने कहा कि आज उन्हीं अंग्रेजों की नीतियों का अनुसरण करते हुए केंद्र व राज्य की सरकार अपने साम्प्रदायिक एजेंडे के जरिए पूरे देश में नफरत और हिंसा का खेल, खेल रही है। पूरे सिस्टम पर कब्जा कर तानाशाही की तरफ आगे बढ़ रही है। वक्ताओं ने भाजपा – आरएसएस पर हमला बोलते हुए कहा कि जिनका आजादी के आंदोलन में कोई योगदान नहीं वह राष्ट्रवाद व वन्देमातरम पर चर्चा कर रहे हैं। देश की समस्याओं से इनका कोई लेना – देना नहीं है। यह सरकार देश के संसाधनों को को चंद पूंजीपतियों के हवाले करने में लगी है। जो सरकार मजदूरों के अधिकार व रोजगार गारंटी कानून को खत्म कर विकसित भारत बनाना चाहती हो ऐसी सरकार को सत्ता से हटाना व शहीदों के सपनों का भारत बनाना ही क्रांतिकारियों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में भाकपा जिला सचिव अशोक कुमार तिवारी, माकपा जिला सचिव अशोक यादव, भाकपा (माले) राज्य कमेटी सदस्य राम भरोस, प्रगतिशील लेखक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ० रघुवंश मणि, प्रोफेसर डॉ० अनिल सिंह, संयुक्त किसान मोर्चा के संयोजक मया राम वर्मा, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, किसान नेता मया राम वर्मा, एस एन बागी, विनोद सिंह, भाकियू नेता कमला प्रसाद बागी, उमाकांत विश्वकर्मा, उदय चंद यादव, राजेश वर्मा, राम सनेही यादव, ओमप्रकाश यादव, रामसिंह, यासीन बेग, बद्री प्रसाद यादव, घनश्याम यादव, शिवराम सहित बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष पर निकला 'याद करो कुर्बानी मार्च'

अयोध्या। शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट द्वारा काकोरी एक्शन की शताब्दी (1925–2025) के अवसर पर काकोरी एक्शन के महानायक, अमर शहीद अशफाक उल्ला खाँ के शहादत दिवस पर 19 दिसम्बर को प्रातः 11.30 बजे पुष्पराज चौराहे से 'याद करो कुर्बानी मार्च' गगन भेदी नारे इंकलाब जिंदाबाद, क्रांतिकारी परंपरा जिंदाबाद,सांझी शहादत सांझी विरासत जिंदाबाद,शहीद तेरे अरमानों को मंजिल तक पहुंचायेंगे,हमारी एकता जिंदाबाद,काकोरी के अमर शहीदों को लाल सलाम आदि नारे लगाते हुए, आदि नारे लगाते हुए फैजाबाद जेल तक निकाला गया। बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी वर्ग, लेखकों, संस्कृति कर्मियों और समाजसेवियों ने इस मार्च में हिस्सा लेते हुए कारागार स्थित शहीद अशफाक उल्लाह खान की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट के चेयरमैन सत्यभान सिंह जनवादी ने कहा कि आज ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन भी है। उन्होंने कहा कि आज के इस संगठित मार्च का उद्देश्य काकोरी कांड के अमर शहीदों के बलिदान को याद करना है। यह हमारा कर्तव्य है कि काकोरी के शहीदों की क्रांतिकारी चेतना और मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुँचाया जाये। इस अवसर पर कवि–लेखक डॉ विशाल श्रीवास्तव ने कहा आजादी की लड़ाई के मूल्यों के साथ धर्मनिरपेक्षता, समानता और सामाजिक बराबरी के पुरोधा इन क्रांतिकारियों को याद करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। कवि–चिंतक आर डी आनंद ने कहा कि क्रांतिकारियों के जीवन और समर्पण से हमें सीख लेते हुए खघसकर नई पीढ़ी को जागरूक बनना चाहिए। पत्रकार डॉ सुमन गुप्ता ने प्रगतिशील मूल्यों से लैस क्रांतिकारियों के योगदान को भारत की आजादी का सबसे अहम हिस्सा बताया। शायर मुजम्मिल फिदा ने आजादी की लड़ाई में गंगा जमुनी तहजीब के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम में बाबूराम गौड़, रामदास सरल, पूजा श्रीवास्तव, रामदुलारे बौद्ध, शिवधर द्विवेदी, शशिकांत, अखिलेश सिंह, महावीर पाल, बीएसएनएल यूनियन से तिलकराज तिवारी, सामाजिक क्रांति मोर्चा के अध्यक्ष रामकुमार यादव, समाजवादी महिला मोर्चा की महानगर अध्यक्ष अर्पणा जायसवाल, प्रशांत यादव, पल्लव श्रीवास्तव, धीरज द्विवेदी, मालती तिवारी, प्रेरणा, आलोक तिवारी, शिवांगी नंदा, आनंद सिंह, राम प्रसाद, ओमवती, गीता, रीना शर्मा, आराधना सिंह, गीता देवी, अनीता सहित बड़ी संख्या में शहर के बौद्धिक लेखक, समाजसेवी और संस्कृतिकर्मी उपस्थित रहे।

किताबों को दोस्त बनाएं- न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन

प्रयागराज। "विजन 2047ः विकसित भारत विकसित प्रदेश" की थीम पर आधारित 11 दिवसीय प्रयागराज पुस्तक मेला 2025 का शुभारंभ गुरुवार को द पाम्स रिसोर्ट दृ रॉयल गार्डन, कटरा में हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन, न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा फीता काटकर किया गया।इस अवसर पर न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन ने अपने उदबोधन में कहा कि सोशल मीडिया का अपना महत्व है, लेकिन पुस्तकों के बिना बौद्धिक विकास अधूरा है। पुस्तकें न केवल हमारी भाषा और व्याकरण को सुदृढ़ करती हैं, बल्कि शब्द–भंडार और सोचने की क्षमता को भी समृद्ध बनाती हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे पुस्तकों को अपना मित्र बनाएं और नियमित पठन को जीवन का हिस्सा बनाएं। साथ ही, उन्होंने प्रकाशकों को पुस्तकों को ऑनलाइन ई–लाइब्रेरी के रूप में विकसित करने का सुझाव देते हुए कहा कि इससे ज्ञान का प्रसार और अधिक व्यापक स्तर पर हो सकेगा।आयोजक मंडल की ओर से मुख्य अतिथि को स्मृति–चिह्न स्वरूप पुस्तक भेंट की गई। रॉयल गार्डन के निदेशक अर्जुन अग्रवाल ने कहा कि प्रयागराज जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शहर में पुस्तक मेले का आयोजन गर्व का विषय है। पुस्तक मेले के आयोजक मनोज सिंह चंदेल ने बताया कि यह मेला पाठकों, लेखकों, विद्यार्थियों और साहित्य प्रेमियों के लिए एक समृद्ध मंच है, जहाँ देशभर के प्रतिष्ठित प्रकाशक और साहित्यिक संस्थान अपनी श्रेष्ठ पुस्तकों के साथ उपस्थित हैं।सह–आयोजक मनीष गर्ग ने जानकारी दी कि मेले में भारतीय ज्ञानपीठ, सस्ता साहित्य मंडल, सेतु प्रकाशन, हिन्द युग्म, राजकमल प्रकाशन, राजपाल एण्ड संस, वाणी प्रकाशन, लोकभारती, सम्यक प्रकाशन, बुकवाला (गर्ग ब्रदर्स) सहित अनेक राष्ट्रीय एवं स्थानीय प्रकाशक भाग ले रहे हैं। यह पुस्तक मेला आम जनता के लिए पूरी तरह निःशुल्क है। इस अवसर पर रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम के अध्यक्ष डॉ. प्रतीक पाण्डेय, सचिव सी.ए. संजय तलवार, सिविल लाइन्स व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुशील खरबन्दा एवं महामंत्री शिव शंकर सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।प्रयागराज पुस्तक मेला के निदेशक आकर्ष चंदेल एवं शुभम अग्रवाल ने मेले की व्यवस्थाओं की जानकारी दीमेले के सफल आयोजन पर सभी अतिथियों ने आयोजकों को बधाई दी और अधिक से अधिक लोगों से पुस्तक मेले में सहभागी बनने का आह्वान किया।

एएसडी लिस्ट की जांच कर मतदाताओं को ढूंढने का करें पूरा प्रयास

प्रयागराज। एसआईआर के तहत वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग, भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली की अध्यक्षता में गुरुवार को सर्किट हाउस के सभागार में एसआईआर कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश अखण्ड प्रताप सिंह, मण्डलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारीएडीएम प्रशासन श्रीमती पूजा मिश्रा एवं जनपद के सभी ईआरओ उपस्थित रहे।बैठक में सर्वप्रथम जिलाधिकारी ने वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त को जनपद की सामान्य जानकारी एवं भौगोलिक स्थिति से अवगत कराया एवं जनपद में चल रहे एसआईआर कार्यों की बिन्दुवार जानकारी वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त के समक्ष रखी जिसमें उन्होंने जनपद में विधानसभावार अवस्थित मतदान केन्द्र, मतदेय स्थल, बीएलओ, सुपरवाइज़र का विवरण, पिछले चुनावों के मतदान प्रतिशत, जनपद में विधानसभावार भरे गए व संग्रहीत किए गणना प्रपत्र एवं मतदाताओं की मैपिंग की अद्यतन स्थिति, डिजिटाइज किये गये फार्मों का विवरण समेत बीएलओ के द्वारा घर–घर भ्रमण के दौरान चिन्हित किए गए एएसडी श्रेणी के वोटरों की संख्या एवं बीएलओ व बीएलए के द्वारा एएसडी श्रेणी के मतदाताओं के सत्यापन तथा उन्हें ढूंढने हेतु जारी प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारियां दी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत जनपद में बी.एल.ओ. द्वारा घर–घर गणना प्रपत्र वितरण, संग्रहण व डिजिटाइजेशन का कार्य तेजी से किया गया।

डॉ. विशाल सिंह (फूड मैन) ने आयोजित की अपनत्व भरी पार्टी । आईना परिवार के साथ पहुंची कई महान विभूतियां।

लखनऊ, फूड मैन के नाम से प्रख्यात भारत सहित विश्व के कई देशों में अलग पहचान बनाने वाले , गरीबों भूखों और तीमारदारों को भोजन देने वाले, करोना काल में निस्वार्थ लोगों की मदद करने वाले, सेवादार डॉ विशाल सिंह आज जाते हुए वर्ष के अवसर पर अपने यहां गीत गजल और आत्मिक भोजन का आयोजन किया जिसमें आईना परिवार के साथ पी एम डब्ल्यू जे के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीज सिद्दीकी, एन आलम, जमील मलिक,सरफराज जाहिद, आईना परिवार के राष्ट्रीय संरक्षक डॉक्टर मोहम्मद कामरान, प्रदेश अध्यक्ष परमजीत सिंह, महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गुरमीत कौर, मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के संयुक्त सचिव अनिल सैनी , सदस्या रेनू निगम, सर्वजीत कौर, हेमंत चंदानी सहित दर्जनों पत्रकार सेवादार और कई महान विभूतियां सम्मिलित हुई । जैसा कि विशाल सिंह का आज से कुछ माह पूर्व उज्जैन महाकाल के दर्शन कर लौटते समय डॉ विशाल सिंह का भयंकर एक्सीडेंट हो गया था जिसमें उनके बचने की कोई उम्मीद नहीं थी लेकिन नेक दिल इंसान और गरीबों की मदद से मिली दुआओं के कारण मौत पर अपनी विजय प्राप्त कर आज हम लोगों के बीच यह जिंदा दिल इंसान मौजूद हैं। आईना परिवार के प्रतिनिधि एवं सेवादार साथी डॉ. विशाल सिंह (फूड मैन) को आईना परिवार ने आयोजन में पहुंचकर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। भेंट के दौरान आईना परिवार द्वारा आयोजित होने जा रहे प्रतिष्ठित "अटल सम्मान" कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. विशाल सिंह (फूडमैन) को सम्मानित किए जाने हेतु औपचारिक निमंत्रण भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर भाई नूर ने अपने गीतों से समा बांध दिया। बहुत ही उत्साह और उल्लास के साथ सभी ने आयोजन में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया कार्यक्रम मे आए अतिथियों ने रंगारंग के साथ चार चांद लगा दिए। कभी ना विस्मृत होने वाले कार्यक्रम में कई व्यंजनों के साथ लाजवाब चोखा बाटी का सभी ने स्वाद लिया। कार्यक्रम को लेकर आपसी संवाद, आत्मीयता एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण के बीच आईना परिवार के सदस्यों ने शुभकामनाओं के साथ हल्के–फुल्के क्षण साझा किए, जिससे माहौल सकारात्मक एवं उत्साहपूर्ण रहा। डॉ. विशाल सिंह (फूड मैन) ने आईना परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा, संवेदना और सामाजिक सहयोग ही समाज को सशक्त बनाते हैं।

देश के 25 लाख शिक्षकों को बड़ी राहत की उम्मीदः टेट अनिवार्यता समाप्त कराने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री से टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की अहम वार्ता

लखनऊ। देशभर के लगभग 25 लाख शिक्षकों से जुड़े टेट (TET) की अनिवार्यता समाप्त कराने जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल की केंद्रीय शिक्षा मंत्री भारत सरकार श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी के साथ महत्वपूर्ण वार्ता सम्पन्न हुई। यह बैठक शिक्षकों के हितों की दृष्टि से अत्यंत निर्णायक मानी जा रही है। वार्ता के दौरान फेडरेशन के संरक्षक एवं लोकप्रिय सांसद श्री जगदम्बिका पाल जी ने शिक्षकों की समस्याओं और मांगों को सदैव की भांति पूरी दमदारी, स्पष्टता एवं विस्तार के साथ मंत्री जी के समक्ष रखा। वहीं फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) से संबंधित सभी पत्रों और प्रावधानों के प्रत्येक पैरा का तथ्यों सहित गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा दिया गया उत्तर शिक्षकों के लिए अत्यंत सकारात्मक और आश्वस्त करने वाला रहा। वार्ता दो चरणों में सम्पन्न हुई। पहले चरण में मंत्री जी के आवास पर संक्षिप्त चर्चा हुई, जिसके बाद मंत्री जी ने प्रतिनिधिमंडल को संसद कार्यालय (पार्लियामेंट ऑफिस) में विस्तृत वार्ता के लिए आमंत्रित किया, जहां सभी बिंदुओं पर गंभीरता से चर्चा की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष श्री राधेरमण त्रिपाठी जी एवं श्री मेघराज भाटी जी भी उपस्थित रहे। फेडरेशन ने आशा व्यक्त की है कि यह वार्ता देशभर के शिक्षकों के भविष्य के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होगी और शीघ्र ही सकारात्मक निर्णय सामने आएगा।

काकोरी के अमर शहीदों की स्मृति में 37वीं साइकिल यात्रा श्रद्धा और संकल्प के साथ संपन्न

विभिन्न स्थलों पर नुक्कड़ नाटक व जन गीतों की प्रभावी प्रस्तुतियां, इतिहासकार रवि भट्ट ने दिखाई हरी झंडी

सुभाष चौक निकट हनुमान सेतु से प्रारंभ होकर शहीद स्मारक, काकोरी तक निकली यात्रा

लखनऊ,19 दिसम्बर। काकोरी ट्रेन एक्शन के अमर शहीदों की स्मृति में उत्तर प्रदेश क्रांतिकारी परिषद की 37वीं साइकिल यात्रा इस वर्ष भी 19 दिसंबर को पूरे उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति के वातावरण में निकाली गई। शुक्रवार को यह भव्य यात्रा नेताजी सुभाष चौक से प्रारंभ होकर शहीद स्मारक, काकोरी तक पहुंची। यात्रा को प्रख्यात इतिहासकार रवि भट्ट ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बड़ी संख्या में युवाओं, कलाकारों, पत्रकारों और नागरिकों ने इसमें भाग लेकर काकोरी के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।⁄इस अवसर पर उत्तर प्रदेश क्रांतिकारी परिषद के प्रमुख एवं वरिष्ठ नाट्यकर्मी अनिल मिश्र गुरुजी'श तथा संस्था के सचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार अशोक सिंह ने इतिहासकार रवि भट्ट को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। अनिल मिश्र 'गुरुजी' ने कहा कि हम काकोरी कांड के सौ वर्ष पूरे होने का साक्षी बन चुके हैं। यह कांड ब्रिटिश काल में अंग्रेजी हुकूमत की चूलें हिला देने वाली घटना थी। उन्होंने कहा कि काकोरी के नौजवान क्रांतिवीरों ने अंग्रेजों का खजाना लूटकर केवल एक दुस्साहसिक कार्रवाई ही नहीं की, बल्कि उन्होंने आने वाले समय में स्वतंत्र भारत का मार्ग भी प्रशस्त किया। यह घटना आज भी युवाओं को साहस, संगठन और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देती है।

इतिहासकार रवि भट्ट ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन अंग्रेजी सत्ता के सबसे मजबूत तंत्र को सीधी चुनौती देने वाली ऐतिहासिक घटना थी। इसने यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय क्रांतिकारी संगठित प्रयासों के माध्यम से साम्राज्यवादी शासन को हिला सकते हैं। उन्होंने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन इतिहास में उस निर्णायक मोड़ के रूप में दर्ज है, जहां से क्रांतिकारी आंदोलन ने सीमित दायरे से निकलकर जनआंदोलन का स्वरूप ग्रहण किया और आम जनता इससे जुड़ने लगी।

यात्रा के दौरान कैसरबाग बस अड्डा, खुनखुन जी कोठी चौराहा चौक, बालागंज, ठाकुरगंज और दुबग्गा सहित कई प्रमुख स्थानों पर हुए नुक्कड़ नाटकों के दौरान नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ी। जगह–जगह लोगों ने पुष्पवर्षा और तालियों के साथ यात्रा का भव्य स्वागत किया।

यात्रा के दौरान पत्रकार राकेश राय, अशोक सिंह, रंगकर्मी सोनल ठाकुर, राजवीर रतन सहित अन्य विद्वानों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थलों पर नागरिकों को संबोधित कर काकोरी के शहीदों के बलिदान को स्मरण कराया। साइकिल यात्रा में उत्तर प्रदेश क्रांतिकारी परिषद की सांस्कृतिक इकाई अमुक आर्टिस्ट ग्रुप के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक "हम क्रांति करेंगे" की सशक्त और प्रभावी प्रस्तुतियां दीं। नाटक का लेखन एवं निर्देशन संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित नाटककार अनिल मिश्र 'गुरुजी' ने किया। नाटक से पहले प्रस्तुत किए गए जनगीतों ने वातावरण को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया।

नुक्कड़ नाटक में रामचरन, अनामिका सिंह, पूनम विश्वकर्मा, शशांक पांडे, दानिश अली और राहुल प्रताप सिंह ने भावपूर्ण और प्रभावशाली अभिनय किया। संगीत की जिम्मेदारी प्रेम गौड़ एवं संतोष शर्मा ने संभाली। यात्रा के दौरान कलाकार विभिन्न स्थलों पर नाटक और जनगीत प्रस्तुत करते हुए शाम को काकोरी के बाज नगर स्थित शहीद स्मारक पहुंचे, जहां सभी प्रतिभागियों ने अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

शहीद स्मारक पहुंचते ही साइकिल यात्रा एक भावपूर्ण सभा में परिवर्तित हो गई। यहां गीतों, कविताओं और वक्तव्यों के माध्यम से काकोरी ट्रेन एक्शन के अमर शहीदों को नमन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ संरक्षक केके शुक्ल, रंगकर्मी सोनल ठाकुर, राजेन्द्र सोनकर, अर्चना जैन, रीता सिंह, राकेश वर्मा, शायर अरविन्द असर, कंवलजीत, अभय शुक्ल, नागपाल, शिवकुमार यादव, कृष्णानंद राय, अशोक सिंह, राकेश राय, वरिष्ठ कला समीक्षक राजवीर रतन, जनसेवक राजा भाई, अभिषेक, अभिनीत, श्रीपाल गौड़, विकास गुप्ता सहित अनेक कलाकार और संस्कृतिकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने सभी को शहीदों के सपनों का भारत बनाने के संकल्प के साथ लौटने की प्रेरणा दी।

डीएम की सख्ती गोला कॉरिडोर निर्माण धीमी रफ्तार पर, ठेकेदारों पर 5 करोड़ से अधिक जुर्माने की तैयारी

डीएम ने यूपीपीसीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर से तलब किया स्पष्टीकरण

लखीमपुर–खीरी। गोला स्थित शिव मंदिर के पर्यटन विकास हेतु निर्माणाधीन कॉरिडोर कार्य की प्रगति धीमी होने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल द्वारा गठित एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह की अगुवाई वाली चार सदस्यीय जॉच समिति ने स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण में कार्य की भौतिक प्रगति अत्यंत धीमी और श्रमिकों की संख्या कम पाई गई। कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के एपीएम निरीक्षण के समय मौके पर उपस्थित थे। गठित समिति ने उपलब्ध बार–चार्ट का विश्लेषण किया, जिसमें स्पष्ट हुआ कि अनुबंध के अनुसार कार्य की पूर्णता तिथि 15 मार्च 2026 है। इसके विपरीत, ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत वर्क प्रोग्राम में कार्य अगस्त 2026 तक पूरा करने का प्रस्ताव है, जो अनुबंध की शर्तों के अनुरूप नहीं है। उल्लेखनीय है कि श्रावण मास के दौरान गोलागोकर्णनाथ शिव मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों का आगमन होता है। यदि कॉरिडोर निर्माण कार्य श्रावण मास से पूर्व पूर्ण नहीं होता है तो शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने में प्रतिकूल परिस्थितियां उत्पन्न होने की प्रबल संभावना है। उक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत गठित समिति द्वारा डीएम को प्रस्तुत आख्या के आधार पर संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध अनुबंध की शर्तों के अंतर्गत लिक्विडेटेड डैमेज अधिरोपित किए जाने की संस्तुति की है। श्रावण मास से पहले कॉरिडोर निर्माण कार्य न पूरा होने की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने ठेकेदारों पर लिक्विडेटेड डैमेज लगाने की तैयारी कर ली है। अनुबंध संख्या 109 में मेसर्स रीना सिंह के विरुद्ध 1.81 करोड़ रुपये, अनुबंध संख्या 110 में मेसर्स नारायन एसोसिएट्स के विरुद्ध 1.73 करोड़ रुपये तथा अनुबंध संख्या 111 में मेसर्स नारायन एसोसिएट्स के विरुद्ध 1.71 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने का प्रस्ताव है। समिति की प्राप्त रिपोर्ट पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कार्यदाई संस्था यूपी–पीसीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर से स्पष्टीकरण जवाब तलब किया है। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम कार्य की समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है। इस गठित समिति में एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड, अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड गोला, उप जिलाधिकारी गोला शामिल है।

सरकारी नियमों को ठेंगा दिखाते हुए प्रधान ने बनवा लिया अपना ही प्रधानमंत्री आवास

लखीमपुर खीरीआपको बताते चलें जनपद लखीमपुर खीरी की तहसील मोहम्मदी के अंतर्गत ग्राम पंचायत खेरिया मिश्र के वर्तमान प्रधान सुधीर शर्मा ने सारे नियमों को ठेंगा दिखाते हुए अपना ही प्रधानमंत्री आवास का निर्माण करवा लिया जबकि एक तरफ जनता को सरकारी आवास के लिए दरबदर की ठोकरे खानी पड़ रही है तो वहीं प्रधान जी ने अपने ही नाम से प्रधानमंत्री आवास का लाभ लेकर अपना मकान बनवा लिया जबकि मानकों के अनुसार प्रधानमंत्री आवास लिखा हुआ उक्त कॉलोनी पर बोर्ड लगा होना चाहिए लेकिन प्रधान जी ने बोर्ड को लगवाना उचित नहीं समझा जबकि लाभ तो प्रधानमंत्री आवास का लिया है लेकिन उसके नाम का बोर्ड लगवाना उनके नाम की तोहीन होती तो उसे ठेंगा दिखा दिया है सवाल यह उठता है की वर्तमान में मौजूद प्रधान ने आखिर अपना आवास कैसे स्वीकृत कर लिया जबकि सरकार के मानकों के अनुसार एक पक्की दीवार वाले आवास नहीं पास होता है तो प्रधान जी का कैसे पास हो गया सवाल या उठाता है क्या प्रशासन के कर्मचारी सिर्फ पदासीन लोगों का ही कार्य करने में अपनी जिम्मेदारी समझते हैं एक आम आदमी के लिए सैकड़ो नियम लागू हो जाते हैं तब कहीं जाकर वह सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हो पता है आखिर ऐसा प्रधान जी ने क्या किया कि मौजूदा प्रधान होते हुए तथा पक्का मकान बना होते हुए भी सरकारी आवास का पैसा डकार गए देखना यह है कि प्रशासन अब इस पर क्या कार्यवाही करता है अगर किसी आम आदमी ने किया होता तो उसके लिए सैकड़ो नियम बन जाते अधिकारी कर्मचारी उसका जीना मुश्किल कर देते प्रधान जी यहां तक नहीं रुके अपने सगे भाइयों का मनरेगा में नाम दिखाकर उसका भी पैसा डकारते गए आखिर ऐसा क्यों तथा सार्वजनिक शौचालय की साफ सफाई का पैसा भी जो सरकार रखरखाव के लिए देती है जो आज तक उसके रखरखाव में एक पैसा खत्म नहीं किया गया उसका भी पैसा डकारने में लगे हैं आखिर जनता का पैसा जनता पर न लगाकर अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं आखिर जनता कब तक बेवकूफ बनती रहेगी और प्रशासन इस तरफ अपना ध्यान कब आकर्षित करेगा।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत मां बाराही देवी मंदिर में महिलाओं और बच्चों को सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

लखनऊ,(संवाददाता) । लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत थाना रहीमाबाद क्षेत्र में मां बाराही देवी मंदिर में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों, महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े कानूनों और हेल्पलाइन सुविधाओं की जानकारी देना था।

कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति टीम ने मंदिर में दर्शन करने आई लगभग 40 से 50 महिलाओं और बच्चों को महिला अपराधों की रोकथाम हेतु राज्य सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 1090, 181, 1076, 1930, 101, 112, 102 और 108 के बारे में जानकारी दी और पम्पलेट वितरित किए। साथ ही, एंटी रोमियो टीम, पिंक बूथ, पिंक मोबाइल और महिला शक्ति केंद्र की जानकारी प्रदान करते हुए महिलाओं को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय और टोल फ्री नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया।इस अवसर पर पुलिस टीम ने महिलाओं को महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों जैसे दहेज प्रतिषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम, बाल विवाह निषेध अधिनियम और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने और सोशल मीडिया पर गोपनीयता बनाए रखने के उपाय भी बताए गए।थाना रहीमाबाद के उप निरीक्षक अनिरुद्ध कुमार मिश्र, उप निरीक्षक अनिल वर्मा, कांस्टेबल रतन विजय और महिला कांस्टेबल प्रियंका डागर सहित मिशन शक्ति टीम के अन्य सदस्य इस कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाते हुए महिलाओं और बच्चों को सुरक्षा और जागरूकता के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास किया।मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत लखनऊ कमिश्नरेट के 54 थानों में विशेष मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां प्रत्येक केंद्र में एक निरीक्षक, एक अतिरिक्त निरीक्षक, एक उप निरीक्षक और एक महिला उप निरीक्षक तैनात हैं।

रात के समय सीएचसी बिजुआ पहुचे सीएमओ, तीन महिला मरीज मिली भर्ती

सीएचसी पर बीते एक माह में 110 प्रसव कराए गए थे, औसतन हर माह 100 से अधिक प्रसव का मिला रिकॉर्ड

लखीमपुर खीरी। देरशाम चिकित्सकीय सेवाओं का निरीक्षण करने सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता गुरुवार की रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिजुआ पहुंच गए, जहां पर तीन महिला मरीज इमरजेंसी में भर्ती मिली, उनका उपचार किया जा रहा था। मौजूद डॉ नसीमुद्दीन से उन्होंने महिलाओं के उपचार की जानकारी की। सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता में जानकारी दी कि उनके द्वारा स्वास्थ्य विभाग द्वारा देरशाम इमरजेंसी सेवाओं की दृष्टिगत सीएचसी बिजुआ का औचक निरीक्षण गुरुवार की रात करीब 7रू00 बजे किया गया। उस दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉ नसीमुद्दीन सहित फार्मासिस्ट अशोक कुमार, स्टाफ नर्स वंदना, वार्ड बॉय मनीष चंद्र सहित अन्य ड्यूटी स्टाफ मौजूद मिला। इमरजेंसी में तीन महिला मरीज भर्ती मिलीं, उन्होंने मरीजों से मिल रही दवाओं ओर सेवाओं के बारे में पूंछा, उपचार पर सभी ने संतोष जाहिर किया। डिलीवरी रजिस्टर के अवलोकन पर पता चला कि बीते एक माह में 110 प्रसव कराए गए हैं। हर माह औसतन 100 से अधिक प्रसव संस्थागत रूप से कराए जा रहे हैं। जिन्हें शासन द्वारा दी जा रही योजनाओं का लाभ भी दिया गया है। उन्होंने जीएसवाई, जरनल वार्ड, लेबर रूम, ओटी सहित अन्य स्थानों का भी निरीक्षण किया। साफ–सफाई को लेकर संबंधित चिकित्सक को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि लेबर रूम व इमरजेंसी सेवा सहित प्रसव कक्ष की निरंतर साफ सफाई होती रहनी चाहिए, जिससे गर्भवती माताओं को किसी भी तरह की समस्या ना हो। इसी के साथ ठंड के दृष्टिगत हीटर ब्लोअर आदि लगे हुए मिले।

खेल महोत्सव सीजन,2 के पांचवें दिन हुआ विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

(सुनील शर्मा)

लखीमपुर खीरी। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अंतर्गत नगर पालिका परिषद एवं क्रीड़ा भारती के तत्वावधान में शहर के मेमोरियल ग्राउंड में आयोजित लखीमपुर खेल महोत्सव सीजनद्2 के पांचवें दिन विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। बालक वर्ग वॉलीबॉल प्रतियोगिता के अगले चरण में कुल 7 टीमों ने प्रतिभाग किया। पहला मुकाबला नौरंगाबाद टीम एवं मनी क्लब भीरा के मध्य खेला गया, जिसमें मनी क्लब भीरा ने विजय प्राप्त की। पुलिस लाइन मैदान में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में कुल 13 टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह जी रहे। उन्होंने खेल आयोजकों की सराहना करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। फुटबॉल का पहला मैच कालानागराज फुटबॉल क्लब एवं राइजिंग स्टार लखीमपुर के मध्य खेला गया, जिसमें कालानागराज फुटबॉल क्लब ने 2द्0 से जीत दर्ज की। क्रिकेट प्रतियोगिता में पहला मुकाबला अल्फा 11 एवं बीएसए सनराइजर्स के बीच खेला गया, जिसमें बीएसए सनराइजर्स ने 16 रन से विजय प्राप्त की। इस मैच में पंकज को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज व सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक, विष्णु को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज तथा धर्मेश को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। दूसरा क्रिकेट मुकाबला द बॉयज एवं पुलिस टीम के बीच खेला गया, जिसमें पुलिस टीम ने 6 विकेट से जीत हासिल की। इस मैच में राज को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, सत्यदेव को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, कप्तान को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक एवं कुलदीप को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया। बालिका वर्ग खो–खो प्रतियोगिता में कुल 22 टीमों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक पवन गौतम, अधिशासी अधिकारी संजय कुमार, क्रीड़ा भारती के जिला अध्यक्ष कपिल श्रीवास्तव, अर्जित अग्रवाल, खेल महोत्सव के संयोजक आशीष सिंह चौहान, कनिष्क बरनवाल, इंजीनियर दुर्गेश वर्मा, जितेंद्र अवस्थी, जेई समरा सईद, श्रीमती शैली गुप्ता (टी.एस.), सभासदगण, समस्त खेल प्रभारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

छाउछ में आकार ले रहा 300 क्षमता का ऑडिटोरियम, सीडीओ ने परखी गुणवत्ता

6.31 करोड़ की परियोजना, यूपी-सिडको को जिम्मेदारी

नया अश्डिटोरियम शैक्षिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए बनेगा मंच

लखीमपुर खीरी, 19 दिसंबर रू जिले की बहुप्रतीक्षित सुविधा अब जल्द ही साकार होने जा रही है। छाउछ स्थित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय में निर्माणाधीन 300 सीट क्षमता वाला आधुनिक ऑडिटोरियम तेजी से आकार ले रहा है। जिला मुख्यालय पर ओपन ऑडिटोरियम के अतिरिक्त, ऐसा अत्याधुनिक और 300 क्षमता वाला ऑडिटोरियम कोई भी नहीं है, इसलिए यह परियोजना जनपद वासियों के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। निर्माण स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे सीडीओ अभिषेक कुमार ने डाइनिंग हॉल, ऑडिटोरियम–कम–कॉमन हॉल, स्टाफ रूम और आवासीय भवनों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता बर्दाश्त नहीं होगा, और सभी निर्माण सामग्री मानक के अनुरूप होनी चाहिए। परियोजना को 30 अगस्त 2024 को स्वीकृति मिली थी, जिसकी कुल लागत 6.31 करोड़ रुपये है। निर्माण कार्य उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निर्माण निगम लिमिटेड (यूपी–सिडको) द्वारा कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान कार्यदाई संस्था के प्रतिनिधि ने अवगत कराया कि 18×34 मीटर क्षेत्रफल में ऑडिटोरियम हॉल तैयार किया जा रहा है, जिसमें 300 लोगों के बैठने की क्षमता वाले आकर्षक स्टेज का निर्माण शामिल है। इसके बगल में स्टाफ रूम और आठ टाइप–2 आवास का निर्माण कार्य भी तेजी पर है। सीडीओ ने निर्देश दिए कि निर्माण में तेजी लायी जाए और परियोजना समयसीमा के भीतर पूरी हो। उनका कहना है कि इस ऑडिटोरियम के बन जाने से जिले में शैक्षिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए नया मंच तैयार होगा और छात्रों को आधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

उदित खेड़ा अंडरपास के पास भीषण सड़क हादसा, ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

लखनऊ(संवाददाता)। आज दिनांक 19 दिसंबर 2025 की सुबह करीब 8रू30 बजे ग्राम उदित खेड़ा अंडरपास के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना की सूचना से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही थाना स्थानीय की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास मौजूद लोगों व क्षेत्रीय निवासियों से जानकारी जुटाई।प्राथमिक जानकारी के अनुसार विनोद यादव, निवासी दूल्हा गंज, थाना काकोरी, उम्र लगभग 45 वर्ष, अपनी मोटरसाइकिल से निजी कार्य से लखनऊ जा रहे थे। इसी दौरान ट्रक संख्या यूपी 38 टी 4097 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि विनोद यादव गंभीर रूप से घायल हो गए।

छत पर खेल रही तीन वर्षीय बच्ची के सिर में लगी गोली, आपरेशन कर निकाली गई गोली, पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ(संवाददाता)। थाना क्षेत्र अंतर्गत एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां घर की छत पर खेल रही तीन वर्षीय बच्ची के सिर में गोली लग गई। मामले में थाना स्थानीय पर दिनांक 18 दिसंबर 2025 को वादी रमेश, निवासी बस्तौली गांव, थाना गाजीपुर, लखनऊ ने लिखित सूचना देकर पुलिस को अवगत कराया।वादी के अनुसार 16 दिसंबर 2025 की सायं लगभग 4 बजे उनकी तीन वर्षीय पुत्री लक्ष्मी अपने घर की छत पर बने टीन शेड के नीचे सौभाग्या (8 वर्ष) और हिमांश (7 वर्ष) के साथ खेल रही थी। घटना से घबराए परिजन तत्काल बच्ची को मेघना अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के दौरान उसके सिर पर टांके लगाए गए।रात्रि के समय बच्ची की हालत दोबारा बिगड़ने पर परिजन उसे डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गए। जांच के दौरान चिकित्सकों ने बच्ची के सिर में गोली होने की पुष्टि की।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, ४० वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी २/३७६ रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ० प्र० से प्रकाशित।

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.
9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@gmail.com
adbhutsamachar@hotmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।